सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

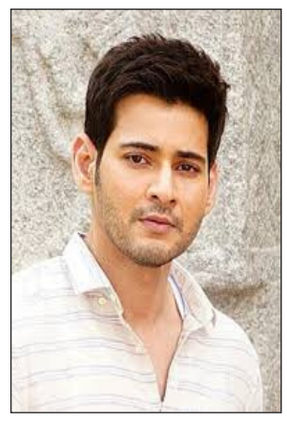

गर्मी में डेनिम वियर से मिलेगी राहत पेज: 7

वाराणसी के बाद संदीप रेड्डी वांगा की.. पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 342 | मंगलवार 24 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

प्रयागराज

पीएम मोदी-सीएम योगी ने की घोषणा

प्रयागराज हादसे में मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 2-2 लाख, घायलों को 50 हजार

प्रयागराज के फाफामऊ में सपा के पूर्व मंत्री के कोल्ड स्टोर में हुए हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है।

नई दिल्ली। प्रयागराज के फाफामऊ इलाके में सपा के पूर्व मंत्री अंसार अहमद के कोल्ड स्टोर में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। इस घटना का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संज्ञान लिया है। घटना पर दुख जताते हुए पीएम मोदी ने पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कोल्ड स्टोरेज हादसे का संज्ञान लिया। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए स्थानीय प्रशासन को तत्काल राहत उपलब्ध कराने और घायलों के समुचित उपचार का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे में मरने वालों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की घोषणा की। विज्ञापन हटाएं सिर्फ खबर पढ़ेंइलाज में न हो किसी प्रकार की कोताहीः सीएम योगी सीएम ने कहा कि स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों को तेजी से पूरा करे, घायलों के इलाज में किसी प्रकार को कोताही न हो और सभी घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित कराया जाए। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह उनके साथ खड़ी है।

डीजीसीए ने जारी किया समर फ्लाइट शेड्यूल, 29 मार्च से नई समय-सारिणी लागू

24 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा शेड्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सोमवार को घरेलू एयरलाइंस के लिए गर्मियों का फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया है। यह नई समय-सारिणी 29 मार्च से लागू होकर 24 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगी। डीजीसीए ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी यात्रा से पहले संबंधित एयरलाइंस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर उड़ानों के समय और स्थिति की दोबारा पुष्टि कर लें। साथ ही, किसी भी ऑपरेशनल इमरजेंसी या अंतिम समय में होने वाले बदलावों की जानकारी के लिए सीधे एयरलाइंस से संपर्क बनाए रखें। इससे एक दिन पहले नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए घरेलू हवाई किराए पर लागू अस्थायी मूल्य सीमा (फेयर कैप) को हटाने की घोषणा की थी। यह फेयर कैप 23 मार्च से समाप्त कर दी गई है, जिससे एयरलाइंस को किराए तय करने में अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि फेयर कैप हटने के बाद यात्रियों को मांग और उपलब्धता के आधार पर टिकट कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। वहीं, एयरलाइंस कंपनियों के लिए यह कदम परिचालन और राजस्व प्रबंधन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि हर साल गर्मियों और सर्दियों के लिए अलग-अलग फ्लाइट शेड्यूल जारी किए जाते हैं, ताकि बढ़ती यात्री संख्या और मौसम संबंधी परिस्थितियों के अनुसार उड़ानों का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जा सके। यात्रियों के लिए सलाह है कि यात्रा की योजना बनाते समय पर्याप्त समय का ध्यान रखें और अपडेटेड शेड्यूल के अनुसार ही अपनी बुकिंग करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

वायुसेना अड्डे पर तैनात कर्मचारी कर रहा था पाकिस्तान के लिए जासूसी

-इंटेलिजेंस टीम ने किया गिरफ्तार, यूपी का रहने वाला है आरोपी सुमित

डिब्रूगढ (एजेंसी)। वायुसेना और राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने असम के वायुसेना अड्डे पर तैनात एक कर्मचारी को पाकिस्तान की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुमित कुमार (36) के रूप में हुई है, जो यूपी के प्रयागराज जिले के लाहुरपार का रहने वाला है और एयरफोर्स स्टेशन में एमटीएस के पद पर कार्यरत है। मीडिया रिपोर्ट में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया विभाग) के मुताबिक सुमित कुमार अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां एकत्रित करता था और उन्हें सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया है कि वह साल 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय सूचनाएं वहां पहुंचाता था। इस मामले की शुरुआत जनवरी 2026 में राजस्थान के जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ में सुमित कुमार का नाम सामने आया। इसके बाद राजस्थान इंटेलिजेंस ने वायुसेना खुफिया विभाग, नई दिल्ली के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को छबुआ से गिरफ्तार किया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी ने न केवल छबुआ एयरफोर्स स्टेशन बल्कि बीकानेर जिले के नाल एयरफोर्स स्टेशन समेत अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी अहम जानकारियां भी साझा कीं। इनमें लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों व कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं शामिल हैं। इसके अलावा वह अपने मोबाइल नंबरों के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने में भी मदद करता था। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को राजस्थान खुफिया विभाग और वायु सेना खुफिया विभाग के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वह 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय जानकारी देता था। व्यापक जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है। फिलहाल, आरोपी सुमित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले में व्यापक जासूसी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए जांच एजेंसियां लगातार छानबीन कर रही हैं।

कांग्रेस ने ब्रिक्स समिट को लेकर पीएम मोदी से किए सवाल, वेस्ट एशिया संकट पर पहल करने की मांग

-जयराम बोले- 'विश्वगुरु' का दावा करने वाली सरकार कूटनीतिक नेतृत्व क्यों नहीं दिखा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने वेस्ट एशिया में जारी तनाव के बीच ब्रिक्स समिट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। पार्टी ने सवाल करते हुए कहा है, कि भारत इस महत्वपूर्ण वैश्विक मंच का उपयोग क्षेत्रीय संकट के समाधान के लिए क्यों नहीं कर रहा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत इस वर्ष नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में सरकार को वेस्ट एशिया संकट पर ठोस कूटनीतिक पहल करनी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि खुद को 'विश्वगुरु' बताने वाले प्रधानमंत्री इस दिशा में सक्रियता क्यों नहीं दिखा रहे।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प और बेंजामिन नेतन्याहू को नाराज नहीं करना चाहते। उनका कहना है कि केवल फोन पर बातचीत से सीमित परिणाम मिलते हैं, जबकि शिखर सम्मेलन के जरिए आमने-सामने चर्चा अधिक प्रभावी हो सकती है। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास होने के बावजूद वेस्ट एशिया संघर्ष पर कोई सामूहिक बयान जारी नहीं किया गया। इससे पहले भी पार्टी ने अमेरिका-इजराइल की कार्रवाई पर सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए थे।

गौरतलब है कि ब्रिक्स समिट 2026 की अध्यक्षता इस समय भारत के पास है। यह जिम्मेदारी 1 जनवरी को ब्राजील से भारत को मिली थी। इससे पहले 2025 में रियो डी जनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की प्राथमिकताओं को सामने रखा था। भारत ने ब्रिक्स मंच के लिए ह्यूमनिटी फर्स्ट, रेजिलेंस एंड इनोवेशन, सस्टेनेबलिटी और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने जैसे प्रमुख एजेंडे तय किए हैं। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधार की मांग भी प्राथमिकताओं में शामिल है।

ओवैसी ने खुद को बीजेपी की 'बी-टीम' ही नहीं 'सच्चा साथी' भी साबित कर दिया

बंगाल चुनाव में हुमायूं की पार्टी से गठबंधन को लेकर कांग्रेस समेत कई दलों ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के घोषणा करने के बाद कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी नेता हुमायूं कबीर की नवगठित आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ेगी। इसको लेकर सोमवार को कांग्रेस ने कहा कि धन्यवाद ओवैसी। आपने अपना धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा हटा दिया है और दुनिया को अपना असली सांप्रदायिक चेहरा दिखा दिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ओवैसी ने खुद को बीजेपी की ÷बी-टीम÷ ही नहीं बल्कि उसका ÷सच्चा साथी÷ भी साबित कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन की आलोचना करते हुए कहा कि धन्यवाद, असदुद्दीन ओवैसी। आपने अपना धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा हटा दिया है और दुनिया को अपना असली सांप्रदायिक चेहरा दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि आपने यह भी दिखा दिया कि आप न सिर्फ बीजेपी की बी-टीम हैं, बल्कि उसके सच्चे साथी भी हैं। लोग हुमायूं कबीर पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने पार्टी बनाने के लिए पैसा लिया है। तो क्या आपको दिल्ली से फंड मिल रहा है? जनता सब समझती है और वह आपको पश्चिम बंगाल के साथ-साथ हैदराबाद के चुनावों में भी आपकी स्थिति दिखा देगी।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने भी इस मुद्दे पर कहा कि जहां भी धर्मनिरपेक्ष वोटों का बंटवारा होता है, उसका फायदा बीजेपी को ही मिलता है। ओवैसी इसके लिए जाने जाते हैं और उन पर अक्सर ऐसे आरोप लगते हैं। वह निश्चित रूप से ऐसी रणनीति अपनाते हैं ताकि वोटों का विभाजन हो सके। इसलिए हम कहते हैं कि वह बीजेपी की बी-टीम के रूप में काम करते हैं।

वहीं झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि मुझे लगता है कि अब ओवैसी को एक-दो राज्यों में कुछ सफलता मिली है। उन्होंने बीजेपी को मजबूत किया है और धर्मनिरपेक्ष दलों व ताकतों को कमजोर किया है, जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। मुझे लगता है कि बंगाल की राजनीति के संदर्भ में वह कहीं फिट नहीं बैठेंगे। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने तंज कसते हुए कहा कि चाहे वह हुमायूं कबीर हों या ओवैसी, सच्चाई यह है कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में जो जहर बोया है, उसने ऐसे कई किरदार पैदा किए हैं जो उसी जहर को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जब एक स्वाभाविक विकल्प मौजूद है, तो ऐसे तत्वों का कोई महत्व नहीं रहेगा और इन चुनावों में उनका अस्तित्व मायने नहीं रखेगा।

इस बीच बिहार के मंत्री रामकृपाल यादव ने अपेक्षाकृत संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह ओवैसी की पार्टी है और अगर वह चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, तो यह उनका स्वतंत्र निर्णय है। पार्टी अपने संगठन का विस्तार करना चाहती है और कई जगहों पर उसकी मौजूदगी है। ओवैसी ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है और एक लोकतांत्रिक पार्टी होने के नाते उसके नेता उसी अनुसार काम करते हैं। बता दें 294 सदस्यीय बंगाल विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और दूसरा 29 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 मई को होगी।

मौत पर बहस: 29 साल की हट्टी-कट्टी महिला को दी इच्छामृत्यु, हरीश से बिल्कुल उलट है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 13 साल से कोमा की स्थिति से जूझ रहे गाजियाबाद के हरीश राणा के पिता को बेटे की इच्छामृत्यू के लिए करीब दो साल तक अदालत के चक्कर लगाना पड़े। पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की फिर सुप्रीम कोर्ट ने अनुमति दी। ठीक इसके उलट नीदरलैंड की हट्टी-कट्टी 29 साल की महिला को इच्छामृत्यू आसानी से दी गई। जबकि न तो इनकी सेहत खराब थी और न ही ऐसी कोई खास परिस्थिति थी जिसकी वजह से उन्हे इच्छामृत्यू की अनुमति लेना पड़ी। केवल वे मानसिक तनाव, एंग्जायटी और ट्रॉमा से जूझ रहीं थी। इन दोनों मामले को देखते हुए एक बार फिर इच्छामृत्यू को लेकर भारत में बहस छिड़ गई है।

यूरोपीय देश नीदरलैंड्स की 29 वर्षीय जोराया टेर बीक की इच्छामृत्यु को भी चर्चा में ला दिया है। हालांकि, जोराया और हरीश के मामलों में जमीन-आसमान का अंतर है। जहां हरीश शारीरिक रूप से मृतप्राय थे, वहीं जोराया शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ थीं। उन्होंने वर्ष 2024 में असहनीय मानसिक पीड़ा के आधार पर अपनी जीवनलीला समाप्त करने की अनुमति मांगी थी।

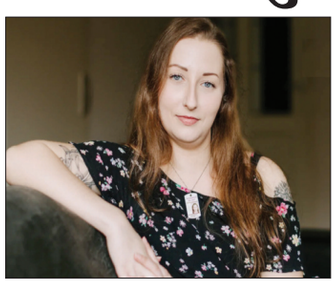

वर्षों तक डिप्रेशन, एंग्जायटी और ट्रॉमा से जूझने के बाद उन्होंने तर्क दिया कि उनकी मानसिक स्थिति ने जीवन को जीने लायक नहीं छोड़ा है। साढ़े तीन साल की कानूनी प्रक्रिया के बाद उन्हें अनुमति मिल गई। नीदरलैंड्स और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में जीवन की गुणवत्ता को सर्वोपरि माना जाता है, जहां मानसिक कष्ट को भी इच्छामृत्यु का वैध आधार माना गया है। इसके विपरीत, भारत में कानून अत्यंत सख्त हैं। यहाँ केवल पैसिव यूथिनेशिया की अनुमति है, वह भी तब जब मरीज के ठीक होने की कोई गुंजाइश न बची हो।आलोचकों का तर्क है कि मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्ति हमेशा स्वतंत्र निर्णय लेने की स्थिति में नहीं होता, जबकि समर्थकों का कहना है कि व्यक्ति को अपनी पीड़ा के स्वरूप के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। हरीश और जोराया की ये दो कहानियां दो अलग दुनियाओं की तस्वीर पेश करती हैं-एक जहां जीवन को हर हाल में बचाने का संघर्ष है, और दूसरी जहां असहनीय पीड़ा से मुक्ति को भी एक मौलिक अधिकार माना गया है।

क्या किसी व्यक्ति की पीड़ा इतनी असहनीय हो सकती है कि उसे अपना जीवन समाप्त करने की कानूनी अनुमति दे दी जाए? क्या जीने का अधिकार अनिवार्य रूप से मरने के अधिकार को भी समाहित करता है? ये सवाल एक बार फिर वैश्विक विमर्श के केंद्र में हैं। भारत में गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पैसिव यूथिनेशिया (निष्क्रिय इच्छामृत्यु) की अनुमति मिलने के बाद इस संवेदनशील मुद्दे पर नई बहस छिड़ गई है। हरीश ने पिछले 13 साल कोमा में, जिंदगी और मौत के बीच एक खामोश जंग लड़ते हुए बिताए। लंबी कानूनी प्रक्रिया और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों के बाद, अंततः उन्हें मशीनी जीवन से मुक्ति की इजाजत मिली।

रोचक मुकाबला: असम में भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए दिग्गज नेता नंदिता गरलोसा

गुवाहाटी (एजेंसी)। चुनाव से पहले नेताओं का आवागमन मुकाबले को कड़ा और रोचक बना देता है। असम में भी कुछ इसी तरह की तस्वीर दिखाई देने लगी है। यहां सत्ताधारी दल भाजपा को उस समय तगड़ा झटका लगा, जब हिमंत बिस्वा सरमा सरकार में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रहीं नंदिता गरलोसा ने रविवार को औपचारिक रूप से कांग्रेस का दामन थाम लिया। भाजपा द्वारा इस बार उनका टिकट काटे जाने से वे काफी समय से नाराज चल रही थीं।

नंदिता गरलोसा का पार्टी छोड़ना भाजपा के लिए इसलिए भी बड़ी हार माना जा रहा है क्योंकि उन्हें मनाने की कोशिशें खुद मुख्यमंत्री स्तर पर की गई थीं। रविवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा खुद हाफलोंग पहुंचे और गरलोसा के आवास पर जाकर उनसे लंबी चर्चा की। हालांकि, मुख्यमंत्री की यह मान-मनौव्वल नाकाम रही। जैसे ही मुख्यमंत्री उनके घर से निकले, उसके कुछ ही घंटों बाद गरलोसा ने कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर पार्टी की सदस्यता ले ली। इस बगावत की मुख्य वजह भाजपा द्वारा हाफलोंग सीट से उम्मीदवार का बदलना है। पार्टी ने मौजूदा विधायक और मंत्री नंदिता गरलोसा का टिकट काटकर इस बार रुपाली लांगथासा को अपना नया चेहरा बनाया है। इसी फैसले से आहत होकर गरलोसा ने कमल का साथ छोड़ दिया और अब वे अपनी पुरानी सीट हाफलोंग से ही कांग्रेस के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरेंगी। गरलोसा का स्वागत करते हुए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव निर्मल लंगथासा ने मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में सच बोलने की सजा दी जाती है। लंगथासा ने कहा कि मुख्यमंत्री को आदिवासियों की जमीनें बड़ी कंपनियों को बेचने में दिलचस्पी है, जबकि गरलोसा जनता के हितों के लिए लड़ती रहीं। कांग्रेस सोमवार को आधिकारिक रूप से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा करेगी, जिससे अब हाफलोंग सीट पर रुपाली लांगथासा और नंदिता गरलोसा के बीच सीधा और रोचक मुकाबला तय माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक उपलब्धि पर देशभर से बधाइयाँ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने का नया कीर्तिमान स्थापित करने पर देशभर से बधाइयाँ मिल रही हैं। इस उपलब्धि के बाद विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और भाजपा नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व की सराहना की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 8931 दिनों का सार्वजनिक जीवन केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि निरंतर तप, त्याग और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में देश विकसित भारत के संकल्प की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। रेखा गुप्ता ने यह भी लिखा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में विकास की नई दिशा देने से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने तक उनकी यात्रा राष्ट्र प्रथम और अंत्योदय के सिद्धांतों को साकार करती है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए उन्हें विश्व के सबसे लोकप्रिय जननेताओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि मोदी का नेतृत्व देश को 'अंत्योदय से सर्वोदय' की दिशा में आगे बढ़ा रहा है और उनके मार्गदर्शन में भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व देश के लिए प्रेरणादायक है और उनकी सेवा भावना राष्ट्र के लिए एक मिसाल है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनका दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में उत्तराखंड भी योगदान दे रहा है।

भाजपा नेताओं ने अपने बयानों में प्रधानमंत्री के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार तीन लोकसभा चुनावों में मिली जीत देशवासियों के भरोसे का प्रमाण है। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ देश निरंतर प्रगति कर रहा है।

2 सब का सपना
हिंदी दैनिक
विचार मंथन
अमरोहा
मंगलवार 24 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे मिलेगी निजात

सौरभ वार्ष्णेय

डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

देश की राजधानी दिल्ली आज सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं, बल्कि साइबर और वित्तीय अपराधों का भी बड़ा केंद्र दिखाई दे रही है। प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामलों का सामने आना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह आंकड़े एक दैनिक अखबार में प्रकाशित किये गए हैं जो चौंकाने वाले दिख रहे हैं। वर्ष 2025 में 184 मामले दर्ज किये गए हैं, लगभग 70,64,80,424 रुपए (30 जून तक) तक ठग लिए गये हैं। इससे पिछले वर्ष 2024 में 1,591 मामले दर्ज हुए और 8,17,64,85,471 रुपए ठग लिए गए। आज ठगी से कैसे बचे ? अभी गैस की क्या कमी हुई ठगों ने इस आपदा को अवसर बना लिया। इस डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे निजात मिलेगी तो विशेषज्ञों का कहना है कि जागरुकता और सतर्कता सावधानी जरूरी है। दिल्ली जैसी राजधानी में दिल्ली पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के विस्तार के साथ ठगी के तरीके भी बेहद परिष्कृत हो गए हैं। पहले जहां जेबकतरी और साधारण धोखाधड़ी आम थी, वहीं अब ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी, और निवेश के झांसे जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। आम नागरिक, विशेषकर बुजुर्ग और डिजिटल रूप से कम जागरूक लोग, इन ठगों का आसान शिकार बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं, लेकिन अपराधियों की चतुराई और तकनीकी दक्षता कई बार इन प्रयासों पर भारी पड़ती है। अपराधी अक्सर विदेशी सर्वर, फर्जी सिम कार्ड और डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपा लेते हैं, जिससे जांच और गिरफ्तारी में कठिनाई आती है।

यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। पहला, आम जनता का डिजिटल लेनदेन पर विश्वास कमजोर होता जा रहा है। दूसरा, देश की आर्थिक सुरक्षा पर इसका असर पड़ता है। तीसरा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता और संसाधनों पर भी प्रश्न उठते हैं।

समाधान के लिए बहुस्तरीय रणनीति आवश्यक है। सबसे पहले, साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से लैस करना होगा।

दूसरे, बैंकों और डिजिटल पेमेंट कंपनियों को अपनी सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाना होगा। तीसरे, स्कूलों और सामाजिक मंचों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि लोग ठगी के नए-नए तरीकों से परिचित हो सकें।

इसके अलावा, सरकार को सख्त कानून और त्वरित न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि अपराधियों में डर पैदा हो। साथ ही, आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा– अनजान कॉल, लिंक या ऑफर पर भरोसा करने से पहले पूरी जांच करना जरूरी है।

हाल के महीनों में दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संयुक्त आयुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में ऑपरेशन साई-हॉक के तहत दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन कॉल सेंटरों और गिरोहों को नेस्तनाबूद करना था जो फर्जी केवाईसी, लॉटरी और निवेश के नाम पर लोगों को लूटते हैं। इस कार्रवाई के बाद साइबर अपराधों की दर में गिरावट दर्ज की गई। अब जांच टीम के विस्तार से इस पकड़ को और मजबूत किया जा सकेगा।

यह समझना होगा कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह ठगी का जाल और भी व्यापक रूप ले सकता है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक विश्वास भी प्रभावित होगा।

यह आंकडे तो दिल्ली के है देश भर में यह ठगी का आंकडा बड़ा भी हो सकता है। लेकिन सतर्कता सावधानी जरूरी है।

डिजिटल ठगी से कैसे निजात पाएं

डिजिटल युग ने जहां हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं ठगों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए हैं। आज मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ डिजिटल ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हर दिन आम लोग अपनी मेहनत की कमाई साइबर अपराधियों के जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि डिजिटल ठगी से कैसे बचा जाए और इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण कैसे हो। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डिजिटल ठगी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी का परिणाम भी है। ठग अक्सर फर्जी कॉल, मैसेज, ईमेल या लिंक के माध्यम से लोगों को भ्रमित करते हैं। आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा, केवाईसी अपडेट करें, लॉटरी लगी है –जैसे लालच और डर पैदा करने वाले संदेश लोगों को जल्दी फैसले लेने पर मजबूर कर देते हैं। इसी जल्दबाजी का फायदा अपराधी उठाते हैं इस समस्या से निजात पाने का पहला और सबसे प्रभावी उपाय है–जागरूकता। आम नागरिकों को यह समझना होगा कि कोई भी बैंक या सरकारी संस्था कभी भी फोन या मैसेज के जरिए पासवर्ड या नहीं मांगती। ऐसे किसी भी अनुरोध को तुरंत नजरअंदाज करना चाहिए। साथ ही, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचना और केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करना जरूरी है।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है–तकनीकी सुरक्षा। मोबाइल और कंप्यूटर में अपडेटेड एंटीवायरस रखना, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना और समय-समय पर पासवर्ड बदलना जरूरी है। दो-स्तरीय सुरक्षा का उपयोग भी ठगी के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है तीसरा, सरकार और संस्थाओं की भूमिका भी बेहद अहम है। साइबर अपराधों पर सख्त कानून, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलना आवश्यक है। साथ ही, पुलिस और साइबर सेल को आधुनिक तकनीक से लैस करना और उनकी क्षमता बढ़ाना समय की मांग है। जन-जागरूकता अभियान भी लगातार चलाए जाने चाहिए, ताकि ग्रामीण और शहरी–दोनों क्षेत्रों में लोग सतर्क रहें इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति ठगी का शिकार हो जाता है, तो उसे घबराने की बजाय तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराना चाहिए, ताकि समय रहते पैसे को रोका जा सके।

डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

संपादकीय

मितव्ययिता का दिखावा

इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से जूझ रहा है। लेकिन उससे उबरने के लिए जो कदम उठाये जा रहे हैं, उनकी तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नौकरशाहों के वेतन में कटौती का फैसला, बचत करने के एक सांकेतिक प्रयास के तौर पर पेश किया जा रहा है। यह जनता को बताने की राजनीतिक कवायद हो सकती है कि हम राज्य में वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन सवाल यह है कि यह कदम संकट से उबारने में किस हद तक मदद कर पाएगा। बहरहाल, यह प्रयास इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राज्य के सामने गहरे वित्तीय संकट की स्थिति बन रही है। लेकिन हकीकत यही है कि यह कदम राजनीतिक रूप से एक प्रतीकात्मक होने के बावजूद राज्य के सिमटते खजाने को कोई ठोस राहत नहीं देने वाला है। यदि इससे जुड़े आंकड़ों पर नजर डालें तो वास्तविकता सामने आ जाती है। मुख्यमंत्री के वेतन में पचास फीसदी, मंत्रियों के वेतन में तीस फीसदी तथा विधायकों के वेतन में बीस फीसदी की छह माह के लिये कटौती, आठ-दस हजार करोड़ रुपये के घाटे को कितना कम कर पाएगी? निश्चित रूप से राजस्व घाटे के अनुपात में यह बचत नगण्य ही होगी। हां, जनता को यह संदेश, उनके त्याग करने के रूप में पहुंचाने की कवायद जरूर होगी। यहां विचारणीय तथ्य यह है कि राज्य में यह वित्तीय संकट अचानक नहीं आया है। यह संरचनात्मक विसंगतियों की ही परिणति है। निर्विवाद रूप से केंद्र द्वारा राजस्व घाटा अनुदान की वापसी ने संघीय हस्तांतरण पर राज्य की दीर्घकालीन निर्भरता को उजागर कर दिया है। इस बीच वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे निश्चित व्यय बजट राज्य की अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाए हुए हैं, जिसमें बदलाव की गुंजाइश बहुत कम रह गई है। ऐसे पर परिदृश्य में, वेतन में कटौती आर्थिक समाधान से अधिक एक राजनीतिक संकेत मात्र ही है। यह सरकार को कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावित किए बिना या स्थापित व्यय पद्धतियों का सामना किए बिना नैतिक रूप से श्रेष्ठ होने का दावा करने का अवसर देता है। निस्संदेह, राजकोषीय विवेक के लिये समय-समय पर कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं। मसलन सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाना, कर आधार का विस्तार करना और विकासोन्मुखी पूंजी निवेश को प्राथमिकता देना जरूरी होता है। इसके बिना, अस्थायी समाधान शासन की एक नियमित लोकलुभावनी परिपाटी बनने का जोखिम भी बना रहेगा। यह घटनाक्रम संघीय राजकोषीय ढांचे के भीतर पहाड़ी राज्यों की नाजुक स्थिति पर भी सवाल उठाता है।

चिंतन-मनन

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर।

बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है। अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है। हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा। मानव जीवन की विशेषताओं और भगवान द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और उद्देश्य है। जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए तो समझना चाहिए कि इस आदमी का नाम मनुष्य है, इसके भीतर मनुष्यता का उदय हुआ और इसके अंदर भगवान की विचारणाएं उदित हो गयीं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमेरिका जीता नहीं, ईरान हारा नहीं, युद्ध का अंत परमाणु बम से?

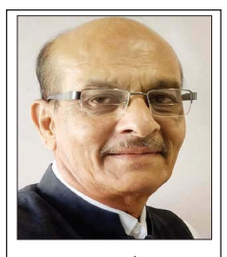

सनत जैन

अमेरिका और इजरायल ने बड़ी तैयारी करके कई दशकों की मेहनत के बाद ईरान पर हमला किया। यह हमला तब किया गया। जब ईरान सबसे ज्यादा कमजोर था, ईरान में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन हो रहा था। ईरान की सत्ता में मोसाद और सीआईए के एजेंट थे। अमेरिका और इसराइल को लग रहा था, एक हफ्ते के अंदर वह ईरान में सत्ता परिवर्तन कराकर अपनी पसंद के व्यक्ति को ईरान के सिंहासन पर बैठा देंगे। जो अमेरिका के इशारे पर सारे काम करेगा। अमेरिका और इजरायल कि यह इच्छा उनके ऊपर इतनी भारी पड़ेगी। इसका अनुमान इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को नहीं था, नाही अमेरिका के बडबोले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को था। 23 दिन से ज्यादा युद्ध के चलते हुए हो गए हैं। ईरान की प्रथम पंक्ति के सारे नेता एक-एक करके मारे जा चुके हैं। ईरान की बच्चियों के स्कूल में बम गिराकर 180 से ज्यादा नोनिहाल छोटी-छोटी बच्चियों को मार दिया गया। ईरान पर, अमेरिका और इजरायल ने मिलकर हमले किए, रक्षा और तेल ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने जिस तरह से हमलों का जवाब दिया। इससे अमेरिका और इजराइल हक्के-बक्के हैं। ईरान के ड्रोन और मिसाइलों ने अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को भेदकर जिस तरह से उन्हें नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका और इजराइल को समझ नहीं आ रहा है, यह क्या हो गया। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों के अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके उन्हें नष्ट किया। अमेरिकी दूतावासों पर हमला करके उन्हें बंद कराने में सफलता हासिल की। जहां-जहां अमेरिकी नागरिक रुके हुए थे, उन होटलों और ठिकानों पर सटीक हमला कर-के, ईरान ने बता दिया वह किसी मामले में कम नहीं है। ईरान के कम लागत के ड्रोन और मिसाइल अमेरिका और इजरायल के करोड़ों रुपए के सैन्य उपकरणों को बर्बाद कर दिया। ईरान ने अमेरिका के सबसे शक्तिशाली अजेय एफ 35 और एफ15 विमान को जमीन पर उतार दिया। समुद्र में अमेरिका के बड़े-बड़े युद्ध पोत खड़े थे। उन्हें पीछे जाने पर विवश कर दिया। इजराइल के हाइवापोर्ट से लेकर तेल हबीब एवं अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर सटीक निशाने लगाकर 2 शहरों को पूरी तरह से नष्ट किया है। कहा तो यह भी जा रहा है, इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी ईरान की बमबारी में मारे गए हैं। इसकी पुष्टि कहीं से नहीं हो रही है। ईरान जवाबी हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। वर्तमान स्थिति में अमेरिका इस युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। चाहकर भी डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अमेरिका ने बात शुरू करने के संकेत दिए। ईरान बात करने तैयार नहीं है। जिस तरह से उनके धर्मगुरु आयतुल्लाह खामनेई तथा प्रथम पंक्ति के बड़े नेताओं की हत्या कर सत्ता पलटने की कोशिश की गई है। छोटी-छोटी मासूम बच्चियों के स्कूल में बम फेंक कर उनकी हत्या की गई, इससे ईरान नाराज है। दुनिया में कच्चे तेल और गैस का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका ने ईरान पर लगाया गया प्रतिबंध 1 माह के लिए हटाने की घोषणा की। यह भी कहा ईरान किसी को भी तेल और गैस बेच सकता है। इस ऑफर को ईरान ने ठुकराते हुए कहा, हमारे पास जो कच्चा तेल और गैस है। वह हम चीन को दे रहे हैं, हमारे पास अतिरिक्त कुछ भी बेचने के लिये नहीं है। युद्ध मे सीजफायर नहीं होगा, युद्ध का अंत ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह ईरान ने अपने ड्रोन और मिसाइलों से अमेरिका के हथियारों का सामना किया है। सैन्य उपकरण अजेय माने जा रहे थे। ईरान ने उन सबकी असलियत सारी दुनिया के सामने खोल दी है। ईरान ने अमेरिका को ऐसी शिकस्त दी है। जिसके कारण अब अमेरिका की दादागिरी पहली बार सारी दुनिया में खतरे में पडती हुई दिख रही है। अमेरिका और इजरायल ने महंगे युद्ध उपकरणों का ईरान ने मुकाबला किया है। उसने सारी दुनिया की सोच को बदल दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद पर बना रहना मुश्किल हो रहा है। पहली बार अमेरिका सारी दुनिया के सामने शर्मिंदा है। अमेरिका बार-बार सीज फायर के संकेत दे रहा है। अभी तक की लड़ाई में ना तो अमेरिका जीता है, ना ही ईरान हार रहा है। ऐसी स्थिति में युद्ध पर विराम या पूर्ण विराम कब लगेगा। इसको लेकर सारी दुनिया चिंतित है। वर्तमान स्थिति में यही कहा जा सकता है। अमेरिका युद्ध विराम घोषित करे। जो प्रतिबंध ईरान के ऊपर लगा रखे हैं उन्हें समाप्त करे। ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं है। अमेरिका युद्ध विराम में तभी सफल हो सकता है, जब वह ईरान की शर्तों पर बात करने को तैयार होगा। पिछले 47 वर्षों से अमेरिका और यूरोपीय देशों के निशाने पर ईरान था। सुनार की हथौड़ी की तरह कई वार ईरान ने सहे हैं। ईरान के हथौड़े की एक चोट ने अभी तक की सब चोटों का बदला ले लिया है। ऐसा लगता है, सोवियत रूस का जिस तरह से विघटन हुआ था। वही स्थिति अब अमेरिका की देखने को मिल रही है। सारे विश्व में अमेरिका की जो दादागिरी पिछले कई दशकों से चल रही थी। वह समाप्त होने की दिशा में अग्रसर है। वैश्विक व्यापार और युद्ध की पूरी रणनीति में वैश्विक बदलाव का समय आ गया है। अमेरिका इसको जितनी जल्दी समझ ले उतना ही अच्छा है।

ईरान अमेरिका संघर्ष से बाजार में उथल पुथल

कांतिलाल मांडोत

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और इसका सबसे बड़ा असर भारत के शेयर बाजार पर देखने को मिला। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने निवेशकों के भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है। एक ही कारोबारी दिन में निवेशकों के लगभग बारह लाख करोड़ रुपये डूब गए, जो यह दशार्ता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह घरेलू बाजार को प्रभावित करती हैं। यह गिरावट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने निवेशकों के मन में डर और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया।

भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में करीब पच्चीस सौ अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई और यह गिरकर लगभग चौहत्तर हजार के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी में भी सात सौ से अधिक अंकों की गिरावट आई। यह गिरावट पिछले कई महीनों में सबसे बड़ी मानी जा रही है। बाजार के लगभग सभी क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव दिखाई दिया, जिससे यह साफ हो गया कि यह केवल किसी एक सेक्टर की समस्या नहीं बल्कि व्यापक आर्थिक चिंता का परिणाम है।

इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण युद्ध का तेल और गैस क्षेत्रों तक पहुंचना है। खाड़ी क्षेत्र दुनिया के ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र है और जब यहां अस्थिरता बढ़ती है तो उसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ता है। युद्ध के चलते कई महत्वपूर्ण ऊर्जा ठिकानों पर हमले हुए, जिससे उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हुए। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया और यह एक समय एक सौ पंद्रह डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आम लोगों की जिंदगी पर भी असर डालता है। तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि होती है। यही कारण है कि इस संघर्ष ने महंगाई की आशंका को भी बढ़ा दिया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार की स्थिति को और कमजोर कर दिया।

घरेलू कारणों ने भी इस गिरावट को और गहरा किया। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के प्रमुख शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिससे पूरे बाजार पर दबाव बना। निवेशकों ने जोखिम से बचने के लिए तेजी से अपने निवेश को निकालना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में घबराहट और बढ़ गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी लगभग तीन प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशकों पर इसका प्रभाव अधिक पड़ा।

हालांकि इस भारी गिरावट के बाद अगले ही दिन बाजार में कुछ सुधार भी देखने को मिला। निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी की, जिससे बाजार में थोड़ी स्थिरता आई। तेल की कीमतों में हल्की गिरावट भी इस सुधार का एक कारण रही। इससे यह संकेत मिलता है कि बाजार में अभी भी उम्मीद बाकी है, लेकिन स्थिति पूरी तरह स्थिर नहीं कही जा सकती। इस पूरे घटनाक्रम का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहा बल्कि सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों पर भी पड़ा। आमतौर पर संकट के समय इनकी कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इसका कारण यह है कि निवेशकों ने नकदी बनाए रखने के लिए इन धातुओं में भी बिकवाली की। ऊर्जा संकट के चलते पेट्रोल की कीमतों पर भी असर पड़ा है। प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे उन लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है जो उच्च गुणवत्ता वाले ईंधन का उपयोग करते हैं। हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अभी कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहती हैं तो भविष्य में आम ईंधन भी महंगा हो सकता है।

यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक भी है। युद्ध अब केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहा बल्कि आर्थिक ढांचे को निशाना बना रहा है। ऊर्जा संसाधनों पर हमले यह दशार्ते हैं कि दोनों पक्ष एक दूसरे को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ रहा है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

रुपये की कमजोरी भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू है। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से आयात महंगा हो जाता है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। यह स्थिति निवेशकों के लिए और अधिक चिंता का कारण बनती है क्योंकि इससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है।

कुल मिलाकर देखा जाए तो ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष केवल एक क्षेत्रीय युद्ध नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारतीय शेयर बाजार में आई भारी गिरावट इसी का एक उदाहरण है। आने वाले समय में बाजार की दिशा काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि यह संघर्ष किस दिशा में आगे बढ़ता है और कच्चे तेल की कीमतें किस स्तर पर स्थिर होती हैं।

यदि स्थिति जल्द सामान्य नहीं होती है तो इसका असर लंबे समय तक बना रह सकता है। ऐसे में निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है और बाजार की चाल को समझकर ही निर्णय लेना होगा। यह संकट एक बार फिर यह सिखाता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह हमारे आर्थिक जीवन को प्रभावित करती हैं और हमें हमेशा बदलती परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए।

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

कक्षा 8 के विद्यार्थियों का भव्य विदाई समारोह सम्पन्न

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- विकासखंड क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय गंगा चोली में सोमवार को कक्षा 8 के उत्तीर्ण विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा संघ के जिला अध्यक्ष एवं टीएफआई के राष्ट्रीय सचिव यशपाल सिंह, विशिष्ट तिथि ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, प्राथमिक विद्यालय गंगा चोली की मंडिया के प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर के इंचार्ज अध्यापक मदनपाल सिंह शामिल रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन पूर्व एआरपी विकास राहुल द्वारा किया गया। विद्यालय के समस्त स्टाफ, इंचार्ज अध्यापक रमेश सिंह, विकास राहुल, अंशुल सिंगल, शिशिर कुमार, पंकज कुमार, गरिमा राणा, हुस्ने आलम, सीमा रानी, जसवंत सिंह एवं विक्रम सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में कक्षा 8 के छात्र-छात्राओं कंचन एवं काजल ने अपने जूनियर साथियों को शुभकामनाएं दीं, वहीं कक्षा 7 की छात्रा अंशिका ने समस्त विद्यालय की ओर से सीनियर विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं कक्षा 9 में प्रवेश हेतु अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को कक्षा 9 में प्रवेश के साथ ही अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने तथा उसी के अनुरूप विषय चयन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को निरंतर परिश्रम और अनुशासन के माध्यम से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का संदेश दिया।

ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अपने उद्देश्यों के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार ने रागिनी के माध्यम से छात्रों का उत्साहवर्धन किया, जिससे वातावरण अत्यंत भावनात्मक एवं प्रेरणादायक बन गया।

सभी अध्यापकों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर सहभागिता की और विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। इसके अतिरिक्त, शैक्षिक सत्र 2026-27 के नवीन नामांकन हेतु विद्यालय में आए नए छात्रों एवं उनके अभिभावकों का मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओ ने शहीदों के चित्र पर किए पुष्प अर्पित

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को शहीद दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं ने हसनपुर के अतरासी अड्डे पर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया नमन। पहले से ही तय कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओ ने शहीद दिवस कार्यक्रम मनाने के लिए हसनपुर नगर के अतरासी अड्डे पर इकट्ठा हुए। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि आज के दिन सन 1931 में लाहौर जेल में सरदार भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को फांसी दी गई थी। आज उन अमर शहीदों को नमन करने का दिन है। आगे कहा कि जब उन्हें फांसी के फंदे पर ले जाया जा रहा था तब वो निडरता पूर्वक इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। ऐसे बलिदानियों की बदौलत ही हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हम महान शहीदों के सपनों का भारत बनाने में योगदान देंगे और उनके आदर्शों पर चलकर देश से गरीबी, अशिक्षा, अन्याय जैसी बुराइयों को मिटाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर प्रयास करेंगे। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह , राजेंद्र सिंह, सुदेश चौहान, राजू चौहान, त्रिलोकी सिंह,खिलेंद्र सिंह, मनवीर सिंह, राजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम, आईजीआरएस, ई ऑफिस और कैच द रैन अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने मेगा कैंप लगाकर फैमिली आईडी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन, दिव्यांगजन पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा कैच द रेन अभियान के पोर्टल जल संचय जन भागीदारी पोर्टल की समीक्षा की गई स्थल चिह्नित कर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराया जाये। निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष संबंधित पूर्ण कार्यों को जल संचय जन भागीदारी पोर्टल पर आवश्यक रूप से मासान्त तक अपलोड करें और लक्ष्य पूर्ण करें। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है, ऐसे में शिकायत प्राप्त होते हुए उसके निस्तारण की प्रक्रिया आरंभ कर दें। शिकायत कर्ता से अनिवार्य रूप से वार्ता करने के उपरांत ही शिकायतों को निक्षेपित किया जाए। निधि गुप्ता वत्स सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि लक्ष्यों को पूर्ण करने में कोई कोताही न बरते और रैंकिंग में सुधार लाएं। जिन विभागों की खराब रैंक आई है वो कारणों को चिन्हित कर दूर करते हुए रैंकिंग में सुधार लाएं। निर्देशित किया कि सभी विभाग समय पर फीडिंग करें। जिलाधिकारी द्वारा सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रही रैंकिंग पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि खराब रैंकिंग वाले विभाग सुधार लाएं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर फीड होने वाले समस्त आंकड़ों को समयबद्ध एवं सटीक रूप में अपडेट किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। ई-ऑफिस के संबंध में समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यह शासन की प्रमुखता में है इसलिए सभी पत्राचार ई-ऑफिस के माध्यम से अवश्य हो। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार, अर्थ एवं संख्या अधिकारी पुनीत कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नौगांवा सादात क्षेत्र में दो शावकों के बाद पिंजरें में कैद हुई मादा तेंदुआ

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में लंबे समय से तेंदुए की दहशत के बीच वन विभाग को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है नौगांवा सादात के नयागांव में दो शावक मिलने के बाद अब एक मादा तेंदुआ भी पिंजरे में कैद हो गई है, हालांकि तेंदुआ पकड़े जाने के बाद भी ग्रामीणों में दहशत अभी भी बरकरार है और उनका मानना है कि इलाके में अभी और भी तेंदुए मौजूद हैं।

बता दें कि यह घटनाक्रम रविवार की शाम को शुरू हुआ जब नौगांवा सादात इलाके के नए गांव में किसानों को खेत में तेंदुए के दो शावक मिलें। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया, टीम ने दोनों शावकों को भी पिंजरे के पास ही छोड़ दिया था सोमवार सुबह ग्रामीणों ने पिंजरे में एक तेंदुआ देखा इसके बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे अपने कब्जे में ले लिया। बता दें कि अमरोहा जिले में पिछले कुछ समय से लगातार तेंदुए की दहशत बनी हुई थी एक सप्ताह पहले मंडी धनौरा इलाके के झुंडपुरा गांव में गुरुद्वारे के पास किस गुरदीप सिंह के मकान के पालतू कुत्ते को तेंदुए ने अपना निवाला बना लिया था, इसके तीन दिन पहले इसी गांव के पास एक तेंदुए को एक के खेत के पास बैठा देखा गया था

जिसका एक वीडियो भी किसान ने बनाया था .वन विभाग के दरोगा केपी सिंह ने बताया कि पकड़े गए तेंदुए और शावकों का सीनियर पशु चिकित्सक द्वारा मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा इसके बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी उन्होंने आशकां जताई है कि पकड़ी गई मादा तेंदुआ इन शावकों की मां हो सकती है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

अमरोहा। (सब का सपना) जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में तहसील धनौरा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम ने शिकायतों की समीक्षा की और समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जो समय सीमा समस्याओं के निस्तारण दी गई है, उसी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि निस्तारण के साथ-साथ लाभार्थी को संतुष्टी भी मिलनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का समाधान ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में 21 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया।

जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से स्थलीय निरीक्षण कर शिकायतकर्ता की संतुष्टि के साथ ही निर्धारित समयावधि में शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित कराएं। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।

निधि गुप्ता वत्स ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता दर्शन, सीएम हेल्पलाइन, आईजीआरएस पोर्टल, तहसील दिवस एवं अन्य दिवसों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापरक तरीके से त्वरित निस्तारण करें। पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार आनंद ने कहा कि पुलिस अधिकारी आमजन की पुलिस संबंधी शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया, परियोजना निदेशक अम्बरीष कुमार सहित जिला व तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नौगांवा सादात में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- सुरक्षाझसुशासनझसमृद्धिझ थीम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास एवं सतत समृद्धि के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत नौगांवा सादात में नगर पंचायत कार्यालय के निकट एक बैंक्वेट हॉल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम विधायक ने सरकार के नवनिर्माण के 09 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सूचना विभाग द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अवलोकन किया तथा अन्य विभागो द्वारा लगाये गये स्टालों का निरीक्षण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास की चाबी, व्यक्तिगत शौचालय के लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ऋण स्वीकृति के प्रमाण पत्र सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण/ स्वीकृति पत्र वितरित किए तथा नौ वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित विकास पुस्तिका का विमोचन भी किया। प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यक्रम में विकास प्रगति पर आधारित लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गयी। स्कूली छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो ने नवनिर्माण के 9 वर्ष के अंतर्गत प्रदेश में हुए विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं समाज के हर वर्ग तक पहुंच रही हैं और लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों गिनवाते हुए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनों, किसान हित, महिला सशिक्तकरण के सम्बन्ध में सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों से आम जन को अवगत कराया। उन्होंने कहा हमारी सरकार सबका-साथ, सबका-विकास के पथ पर कार्य कर रही है। योजनाओं का लाभ बिना किसी जाति, धर्म संप्रदाय देख सभी को लाभ प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा राज्य सरकार द्वारा गन्ने की खेती एवं भुगतान में मूलभूत सुधार किये गये है। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने अनेक बंद चीनी मिलों को चलाया है बहुत सारी चीनी मिलों को अपडेट किया है।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लो, नगर पंचायत अध्यक्षा सुबीना जैदी, जिला उपाध्यक्ष भाजपा भूप सिंह, परियोजना निदेशक अम्बरीष कुमार, जिला सूचना अधिकारी मो0 दानिश, बीडीओ अमरोहा, ईओ, अमित शर्मा, सुभाष त्यागी, ऊषा रानी, पार्टी पदाधिकारीगण, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा आम नागरिक उपस्थित रहे।

भाकियू संघर्ष अराजनैतिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पाकिस्तान से मिली धमकी

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन संघर्ष (अराजनैतिक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरनजीत सिंह गुर्जर को पाकिस्तान के नंबर से जान से मारने की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद युवा प्रदेश अध्यक्ष नितेश पंडित के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने गढ़मुक्तेश्वर सीओ स्तुति सिंह और एडीएम संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें सरनजीत सिंह गुर्जर की सुरक्षा बढ़ाने और धमकी देने वाले की जांच की मांग की गई है।

आपको बता दे कि सरनजीत सिंह गुर्जर को पाकिस्तान के नंबर से फोन आया था, जिसमें उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस धमकी के बाद भाकियू संघर्ष (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों में रोष व्याप्त है। युवा प्रदेश अध्यक्ष नितेश पंडित के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने गढ़मुक्तेश्वर सीओ स्तुति सिंह और एडीएम संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें सरनजीत सिंह गुर्जर की सुरक्षा बढ़ाने और धमकी देने वाले की जांच की मांग की गई है। इस दौरान युवा प्रदेश अध्यक्ष नितेश पंडित, बाबर अली वैठ, नेता जी फजरे, हारून, जाकिर आलम, फैजान, अजय कुमार, नरेंद्र, दीपक कुमार आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि अगर सरनजीत सिंह गुर्जर को कुछ होता है,

तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और धमकी देने वाले की तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सरनजीत सिंह गुर्जर की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

पुलिस अधीक्षक द्वारा अमरोहा नगर सर्किल के सभी विवेचकों द्वारा लंबित विवेचनाओं की समीक्षा कर दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद द्वारा थाना अमरोहा नगर परिसर में अमरोहा नगर सर्किल के सभी थानों अमरोहा नगर,डिडौली, व रजबपुर के विवेचकों का अर्दली रुम किया गया । अर्दली रुम के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त विवेचकों से लम्बित विवेचनाओं के संबंध में विस्तृत रुप से समीक्षा वार्ता करते हुये विवेचना लम्बित रखने का कारण पूछा गया एवं अकारण विवेचनाओं को लम्बित रखने वाले विवेचकों को सख्त हिदायत देते हुए विवेचनाओं का समय से निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही जनशिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये। अपराधियों पर शिकंजा कसने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही हिस्ट्रीशीटर/वांछित/गैंगस्टर अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया ।

मिशन शक्ति केन्द्र के कार्यों की समीक्षा करते हुये महिला अपराध संबंधी शिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये । इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण पर जोर देते हुए वांछित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण, भूमि संबंधी विवादों का समाधान/थाना दिवस पर राजस्व विभाग के सहयोग से निस्तारित कराने, चोरी, लूट, व अन्य अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं अवैध शस्त्र रखने वालों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए । क्रिटिकल कॉरिडॉर टीम के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देश पर जनपद में लम्बित विवेचना के निस्तारण सम्बन्धी अभियान चल रहा है, जिसमें पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं समीक्षा एवं अर्दली रूम की कार्यवाही की जा रही है ।

एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन आज

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय पॉलीटेक्निक, सुतावली, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, एवं कौशल विकास मिशन, अमरोहा के संयुक्त तत्वाधान में आज प्रातः 10.00 बजे से एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन राजकीय पॉलीटेक्निक सुतावली, अमरोहा के परिसर में किया जायेगा। इस मेले में हाई स्कूल, इण्टर, आई०टी०आई०, डिप्लोमा, स्नातक उत्तीर्ण व अन्य योग्यताधारी 18 वर्ष से 35 वर्ष की आयु वाले अभ्यर्थियों का निजी क्षेत्र की कंपनीयो द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जायेगा। इच्छुक बेराजगार अभ्यर्थि रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सेवायोजित हो सकते है। रोजगार मेला पूर्णतया निःशुल्क है।

कार्यकताओं की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी की बैठक आयोजित

डॉ. राम मनोहर लोहिया जयंती व शहीद दिवस पर भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को भावभीनी श्रद्धांजलि

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- बबराला रोड स्थित बी.आर. होटल में समाजवादी पार्टी की जिला बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवाद के पुरोधा डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती मनाई गई। इस दौरान कार्यकताओं ने लोहिया के साथ-साथ शहीद दिवस पर महान स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया का जन्म 23 मार्च 1910 को उत्तर प्रदेश के अकबरपुर में हुआ था। वे एक महान समाजवादी नेता, विचारक और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने समाजवाद को भारतीय संदर्भ में स्थापित करने का प्रयास किया और जाति प्रथा के खिलाफ आवाज उठाने के साथ-साथ महिलाओं के अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया।

जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि डॉ. लोहिया ने कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं, जिनमें गिल्ट मेरिज्म एंड मार्क्स, मार्क्स, गांधी एंड सोशलिज्म प्रमुख हैं। उन्होंने ह्यजनह्न नामक पत्रिका का संपादन कर अपने विचारों को समाज तक पहुंचाया। वरिष्ठ नेता सतीश प्रेमी ने कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ. लोहिया के आदर्शों पर चलते हुए उनके विचारों को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लेकर कार्य कर रही है। बैठक को उमेश दिवाकर, उमेश यादव, कमल शर्मा और बलवंत सिंह सहित कई नेताओं ने भी संबोधित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

33 साल की सेवा का सम्मान, सय्यद शान अली बने नामित सभासद

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी में 33 वर्षों तक लगातार सक्रिय रहकर पार्टी की सेवा करने वाले सय्यद शान अली को सरकार द्वारा नगर पालिका परिषद सम्भल में नामित सभासद बनाए जाने पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनका समारोहपूर्वक सम्मान किया। इस अवसर पर भाजपा के सबका साथ, सबका विकास के नारे को और मजबूती मिलने की बात कही गई।

जिला कार्यालय में आयोजित सम्मान कार्यक्रम के दौरान सत्येंद्र सिसोदिया ने सय्यद शान अली को पट्टा पहनाकर स्वागत किया और उन्हें बधाई दी।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने एक समर्पित कार्यकर्ता को उचित सम्मान दिया है, जिससे कार्यकताओं का मनोबल बढ़ेगा।

कार्यक्रम में चौधरी हरेंद्र सिंह रिंकू और राजेश सिंघल ने भी सय्यद शान अली के लंबे समय से पार्टी के प्रति समर्पण और किए गए कार्यों की सराहना की। नेताओं ने कहा कि उनकी नियुक्ति से संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलेगी।

इस मौके पर पार्टी कार्यकताओं ने भी खुशी जताते हुए सय्यद शान अली को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बहजोई पुलिस ने गौकशी मामले में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जिले में कानून व्यवस्था एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को थाना बहजोई पुलिस को बड़ी सफलता मिली।

थाना बहजोई पुलिस टीम ने पशु क्रूरता अधिनियम से संबंधित मुकदमे में वांछित आरोपी कासिम पुत्र मल्लू को कैलादेवी चौराहा, थाना बहजोई क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पहले भी कार्रवाई करते हुए 14 मार्च को लईक पुत्र वहीद और शहादत पुत्र सादक को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं 16 मार्च को पुलिस मुठभेड़ के दौरान शहीद पुत्र वहीद को भी गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से गोवंशीय पशुओं की चोरी और अवैध वध का काम करता था। 28 फरवरी की रात को एक गोवंशीय पशु को अतर सिंह पुत्र कल्याण सिंह द्वारा लाया गया था, जिस पर हिंदू होने के कारण किसी को शक नहीं हुआ। गिरोह के सदस्य दिन में गांवों में घूमकर आवारा या पालतू गोवंशीय पशुओं की रेकी करते थे और रात में चोरी कर उनका वध कर देते थे। घटना सादातबाड़ी क्षेत्र में जाकिर की ट्यूबवेल के पास अंजाम दी गई, जहां शहीद और शहादत ने पशु को काटा, जबकि लईक ने खाल उतारकर मांस के टुकड़े किए। अवशेषों को मौके पर ही गड्ढा खोदकर दबा दिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी कासिम और अरशद पुत्र कुदरत मांस को अपने ऑटो से सम्भल ले जाकर बेचते थे और मुनाफा आपस में बांटते थे। पुलिस से बचने के लिए आरोपियों ने ऑटो को टिकटा रोड के जंगल में छिपा रखा था। फिलहाल पुलिस ने कासिम को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है तथा अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस सुनी समस्याएं

सम्भल(सब का सपना):- जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में तहसील चंदौसी के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जायें, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए।

तहसील चंदौसी में आए प्रार्थना पत्रों को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त शिकायती पत्रों को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारी गंभीरता पूर्वक एवं गुणवत्तापूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि देखने में आ रहा है कि तहसील दिवस में कुछ शिकायतें दूसरी या तीसरी बार आ रही हैं उनके संबंधित लेखपाल एवं संबंधित अधिकारी देखें तथा उनका गुणवत्तापरक निस्तारण हो। उन्होंने कहा कि आगामी तहसील दिवस में कोई ऐसी शिकायत न आए जो दूसरी एवं तीसरी बार हो शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण निचले स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक,उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, क्षेत्राधिकारी चंदौसी दीपक तिवारी,तहसीलदार रवि सोनकर सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर सपा नेताओं ने किया माल्यार्पण

2027 चुनाव की तैयारी का लिया संकल्प, पीडीए के तहत जन-जागरूकता अभियान तेज करने पर जोर

सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खाँ के कार्यालय पर समाजवाद के पुरोधा डॉ. राम मनोहर लोहिया के 116वें जन्मदिन के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए फिरोज खाँ ने कहा कि डॉ. लोहिया ने हमेशा किसान, मजदूर, गरीब, नौजवान, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने का काम किया। उन्होंने कभी भी गरीब और मजदूर की आवाज को दबने नहीं दिया और जीवनभर उनके हक की लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि लोहिया के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और समाजवादी कार्यकताओं के लिए मार्गदर्शक हैं।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता डॉ.लोहिया के आदर्शों पर चलकर समाज के सभी वर्गों की सेवा करेंगे और पार्टी को मजबूत बनाएंगे।

साथ ही 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू करने का संकल्प लिया गया। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के तहत गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने और अखिलेश यादव के नेतृत्व को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

इस मौके पर आरिफ खाँ, रामरहिस यादव, वीरेश यादव, राजेश यादव, गौरव यादव, जाहिद खां, इमरान खाँ, शान कुरैशी, फैजान शाही, अब्बास खाँ, प्रेम यादव, सुभाष, मोनिस, सालिम, बाबू खाँ, गुलाम मुस्तफा, जबर सिंह यादव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला शक्ति संगठन द्वारा धूमधाम से हुआ कन्या पूजन

नवरात्रि पर भजन-कीर्तन, डांडिया और मातृ शक्ति की भक्ति में डूबीं महिलाएं

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के हयातनगर क्षेत्र में महिला शक्ति संगठन की महिलाओं द्वारा नवरात्रि के अवसर पर प्रतिदिन भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को पंचमी तिथि पर संगठन की अध्यक्ष दीपा बाष्णेय के आवास पर विधि-विधान से कन्या पूजन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने छोटी-छोटी कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया, उन्हें भोजन कराया और उपहार व दक्षिणा भेंट की। कार्यक्रम में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने मिलकर कन्या पूजन किया। पूरे आयोजन में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

महिलाओं ने माता रानी के भजनों पर नृत्य किया और डांडिया खेलकर नवरात्रि का उल्लास मनाया। कन्या रूप में सजी बालिकाएं साक्षात देवी के स्वरूप जैसी प्रतीत हो रही थीं, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। इस मौके पर दीपा बाष्णेय ने बताया कि मां दुर्गा की कृपा से पूरे वर्ष शक्ति और समृद्धि बनी रहती है। उन्होंने कहा कि माता रानी की पूजा करने से सभी देवताओं की पूजा स्वतः ही हो जाती है, इसलिए इस पर्व को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। कार्यक्रम में खुशबू, नीलिमा, ऋचा, रोविन, शशि गंभीर, ममता, छाया, कल्पना, उषा आर्य, शशि वाला, लक्ष्मी देवी, दिव्यांशी, स्वाति, प्रतिमा, नीरू, राधिका सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

महिलाओं ने जल के महत्व पर रखे विचार, दुरुपयोग रोकने और बचत का दिया संदेश

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- हर वर्ष 22 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व जल दिवस के अवसर पर चंदौसी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना, जल संकट के प्रति लोगों को जागरूक करना और जल संरक्षण को बढ़ावा देना रहा। इस दौरान वक्ताओं ने जल है तो जीवन है का संदेश देते हुए कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। आज दुनिया भर में लाखों लोग पानी की कमी से जूझ रहे हैं, जो हम सभी के लिए एक चेतावनी है। इसलिए हमें जल के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए इसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में ग्रुप की सदस्य मधु अग्रवाल, सचिव शालिनी शर्मा, सुमन शर्मा, सुजाता शर्मा और शीनू शर्मा सहित अन्य महिलाओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि हमें पानी का सदुपयोग करना चाहिए और अनावश्यक बबार्दी से बचना चाहिए। नहाते समय टंकी खुली छोड़ना, ब्रश करते समय अधिक पानी बहाना और साफ-सफाई में जरूरत से ज्यादा पानी खर्च करना जैसी आदतों को बदलना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जितनी जरूरत हो उतना ही पानी उपयोग करें और बच्चों को भी जल संरक्षण के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम में बीना शर्मा, सुप्रिती गुप्ता, अध्यक्ष नीतू रस्तोगी, नंदिनी अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, शिवानी शर्मा, प्रतिज्ञा शर्मा, रेखा दीक्षित और डायरेक्टर शिखा शर्मा सहित कई सदस्य मौजूद रहे। अंत में सभी ने मिलकर जल संरक्षण का संकल्प लिया और स्वच्छ व सुरक्षित भविष्य के लिए पानी बचाने का संदेश दिया।

केनरा बैंक आरसेटी में अप्रैल माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित

जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर बैच के प्रशिक्षुओं को फील्ड विजिट कराई गई

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- केनरा बैंक आरसेटी द्वारा अप्रैल माह में विभिन्न रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान द्वारा युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कई ट्रेड में नए बैच शुरू किए जा रहे हैं। संस्थान की ओर से डेयरी फार्मिंग और वर्मीकम्पोस्ट निर्माण का 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इसके साथ ही 5 अप्रैल से एसेंशियल ऑफ मेकिंग क्रिएटिव(आर्टिफिशियल) ज्वैलरी का 14 दिवसीय प्रशिक्षण तथा 10 अप्रैल से महिला परिधान सिलाई का 31 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू होने का प्रस्ताव है। इच्छुक अभ्यार्थी आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रतिदिन शाम 5 बजे तक संस्थान पहुंचकर अपना पंजीकरण करा सकते है। सीटें सीमित होने के कारण प्रवेश ह्यपहले आओ-पहले पाओह्न के आधार पर दिया जाएगा। प्रशिक्षण के माध्यम से अभ्यर्थियों को अपने कौशल को विकसित करने और रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने का मौका मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए 7906846414 एवं 8808222447 पर संपर्क किया जा सकता है।

वहीं, संस्थान के निदेशक विनीत तिवारी ने बताया कि आरसेटी द्वारा जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर बैच के प्रशिक्षुओं को फील्ड विजिट कराई गई। इसके अलावा प्रशिक्षुओं द्वारा आरसेटी परिसर में पौधारोपण भी किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

एनआरएलएम की गोष्ठी, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को किया सम्मानित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित 9 दिवसीय जनजागरण कार्यक्रम के अंतर्गत बस स्टैंड बहजोई पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की गोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. अनामिका यादव एवं मंजू दिलेर ने फीता काटकर किया। अतिथियों का पुष्प व पुस्तक देकर स्वागत किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने और अपने उत्पादों को बाजार से जोड़ने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जिला विकास अधिकारी, खंड विकास अधिकारी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएचसी में टीकाकरण को लेकर की गई समीक्षा, दिए गए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें डब्ल्यूएचओ एसएमओ डॉ. जयनारायण की अध्यक्षता में खसरा-रूबेला अभियान, हेड काउंट सर्वे और टीकाकरण व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कोल्ड चेन का निरीक्षण भी किया गया, जहां सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

बैठक के दौरान डब्ल्यूएचओ मॉनीटर मोहम्मद मुस्तकीम द्वारा पिछले सप्ताह की मॉनिटरिंग रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें टीकाकरण सत्र, वैक्सीन उपलब्धता और लॉजिस्टिक व्यवस्था की समीक्षा की गई। डॉ. जयनारायण ने यू-विन और ई-कवच पोर्टल पर डाटा फीडिंग की सटीकता पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि टैली शीट, पोर्टल और एचआईएमएस रिपोर्ट में किसी प्रकार का अंतर नहीं होना चाहिए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि फील्ड से प्रतिदिन टैली शीट समय से प्राप्त हो और उसकी नियमित समीक्षा की जाए। साथ ही, छूटे हुए (लेफ्ट आउट) और ड्रॉप आउट बच्चों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करने, ड्यू लिस्ट अपडेट करने तथा हेड काउंट सर्वे को ऑनलाइन करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में यह भी कहा गया कि पोलियो, खसरा और डिप्थीरिया जैसी बीमारियों की निगरानी को और मजबूत किया जाए तथा निर्धारित समय सीमा में माइक्रो प्लान तैयार कर जिला स्तर पर भेजा जाए। डॉ. जयनारायण ने स्पष्ट कहा कि ह्लकोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिएह्व, क्योंकि यही देश के स्वस्थ भविष्य की नींव है।

इस दौरान टीकाकरण सत्रों का निरीक्षण कर मौके पर मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने एनसीडी स्क्रीनिंग, टीबी मुक्त भारत अभियान, आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी और अन्य योजनाओं की प्रगति पर जोर देते हुए लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में जेएसआई जिला समन्वयक अमित कुमार, डॉ. राकेश कुमार, हेल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार, आईओ वीर सिंह, हरीश, योगेश कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

महिलाओं और छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अवध शुगर मिल की पहल रंग लाई

बिजनौर (सब का सपना):- अवध शुगर मिल यूनिट स्योहारा द्वारा संचालित सीएसआर गतिविधियों के तहत महिलाओं और छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई। सोमवार को बिड़ला गर्ल्स इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सिलाई, कढ़ाई, कंप्यूटर और इंग्लिश स्पोकन प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं और महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम का आयोजन अवध शुगर मिल के अधिशासी अध्यक्ष सुखबीर सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है।

प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाली छात्राओं ने इस पहल के लिए मिल प्रबंधन का आभार जताया। छात्रा गुलिस्ता परवीन ने कहा कि इस प्रशिक्षण से उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे अपने पैरों पर खड़े होने के लिए तैयार हैं।

वहीं भूमि शर्मा ने बताया कि कंप्यूटर प्रशिक्षण से उनके भविष्य के अवसरों में वृद्धि हुई है।

कॉलेज की प्रधानाचार्या शील सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है और उन्हें समाज में मजबूत पहचान दिलाने में सहायक होती है।

अवध शुगर मिल के ईवीपी सुशील कुमार ने बताया कि संस्था शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में प्रशिक्षण केंद्र पर कंप्यूटर और सिलाई मशीनें भी उपलब्ध कराई गई हैं,

ताकि प्रशिक्षणार्थी व्यावहारिक रूप से भी सीख सकें।

इस अवसर पर मुकेश मिश्रा, प्रमोद कुमार, एडवोकेट राजेश शर्मा, वीर सिंह पुंडीर, विवेक श्रीवास्तव, प्रवेन्द्र कुमार और अरविन्द कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नजीबाबाद रेंज के अकबरपुर चौगांवा में नीम के विशाल वृक्ष पर चला 'अवैध' आरा

नजीबाबाद/ बिजनौर (सब का सपना):- सामाजिक वानिकी प्रभाग बिजनौर की नजीबाबाद रेंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम अकबरपुर चौगांवा में पर्यावरण संरक्षण के दावों की हवा निकलती दिखाई दे रही है। यहाँ वन विभाग के कथित संरक्षण में एक विशालकाय नीम के पेड़ को अवैध ढंग से काट दिया गया। घटना के बाद से ही रेंज प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों के बीच यह चर्चा आम है कि रेंज के वरिष्ठ अधिकारियों और लकड़ी माफिया के बीच पहले से ही सांठगांठ हो चुकी थी। आरोप है कि अवैध कटान को कानूनी जामा पहनाने के लिए विभाग 'एडवांस रसीद' काटकर मामले को रफा-दफा करने की जुगत में लगा है। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह दिन-दहाड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली में लकड़ी लादकर ले जाई जा रही है, जो बिना किसी विभागीय अनुमति के संभव नहीं लगता।

नीम का यह पेड़ दशकों पुराना बताया जा रहा है। एक तरफ सरकार वृक्षा-रोपण अभियान पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं दूसरी तरफ वन विभाग के जिम्मेदार ही हरे-भरे पेड़ों के विनाश के मूकदर्शक बने हुए हैं। सामाजिक कार्यकताओं ने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली का लिया जायजा

बिजनौर (सब का सपना):- संपूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी जसजीत कौर ने तहसील नजीबाबाद कार्यालय का विस्तृत निरीक्षण कर कार्यप्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालय में लंबित प्रकरणों, वादों के निस्तारण की प्रगति तथा अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति का गहनता से अवलोकन किया।

जिलाधिकारी ने एसडीएम कोर्ट में विचाराधीन राजस्व वादों की फाइलों का निरीक्षण करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि पांच वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए, ताकि वादियों को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता को त्वरित और निष्पक्ष न्याय उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने तहसील स्तर पर लंबित राजस्व वसूली और आरसी के मिलान की स्थिति की भी समीक्षा की। संबंधित पटल सहायकों को वसूली प्रक्रिया में तेजी लाने और कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही उन्होंने अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, कार्यालय की स्वच्छता व्यवस्था और न्यायालय परिसर में आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने पर भी जोर दिया। कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यशैली की समीक्षा करते हुए उन्होंने समयपालन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बनाए रखना आवश्यक है, जिससे आमजन को बेहतर सेवाएं मिल सकें। इस दौरान उप जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, परियोजना निदेशक दिनकर भारती, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजनौर वन विभाग में 4 लाख रिश्वत का ऑडियो वायरल, रेंजर व निलंबित SDO पर गंभीर आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- जिले के वन विभाग में कथित भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। एक ऑडियो वायरल होने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है, जिसमें रेंजर और निलंबित चल रहे एसडीओ पर 4 लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप लगाए जा रहे हैं। वायरल ऑडियो में यह भी दावा किया जा रहा है कि इस रकम में से करीब डेढ़ लाख रुपये एसडीओ को दिए जाने की बात कही गई है। आरोप है कि पेड़ कटाई के मामले में दर्ज मुकदमे को खत्म करने के लिए यह रकम ली गई थी। बताया जा रहा है कि रकम लेने के बावजूद जब मुकदमा खत्म नहीं किया गया और संबंधित अधिकारियों द्वारा फोन उठाना बंद कर दिया गया, तो मामला खुलकर सामने आ गया। ऑडियो वायरल होते ही पूरे जिले में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। पीड़ित पक्ष ने मामले की शिकायत डीएफओ सहित मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराई है और न्याय की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे लखनऊ स्थित जनता दरबार में जाकर अपनी बात रखेंगे। सूत्रों के अनुसार, संबंधित रेंजर पर पहले भी कई गंभीर आरोप लग चुके हैं, जबकि एसडीओ अपनी कार्यशैली को लेकर पहले ही निलंबित किए जा चुके हैं। मामले के तूल पकड़ने के बाद वन विभाग के आला अधिकारियों पर भी कार्रवाई का दबाव बढ़ गया है। यदि जांच उच्च स्तर तक पहुंचती है तो विभाग के कई बड़े अधिकारियों पर भी गाज गिर सकती है। फिलहाल पूरे मामले ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं और लोग निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

बिजनौर में निजी वाहनों पर सायरन का दुरुपयोग, जानी चौराहे पर हुड़दंग का वीडियो वायरल

बिजनौर (सब का सपना):- शहर में निजी वाहनों पर अवैध रूप से पुलिस सायरन (हूटर) बजाने का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला जानी चौराहे का सामने आया है, जहां कुछ युवकों द्वारा निजी गाड़ियों में सायरन बजाकर सरेआम हुड़दंग मचाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक निजी वाहनों में हूटर बजाकर शहर के बीचोंबीच दहशत का माहौल बना रहे थे। इस दौरान यातायात भी प्रभावित हुआ और आम लोगों में भय का वातावरण देखने को मिला।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह ये युवक बिना किसी डर के कानून को चुनौती देते नजर आ रहे हैं। नियमों के अनुसार निजी वाहनों पर सायरन का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है, इसके बावजूद इस तरह की हरकतें प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करती हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के कृत्य न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि समाज में अराजकता फैलाने का भी काम करते हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ऐसे हुड़दंगियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उदाहरण पेश किया जाए, ताकि भविष्य में कोई भी कानून को हाथ में लेने की हिम्मत न कर सके।

जलालाबाद में युवक ने रूपयों के विवाद में छुरी दिखाकर दी जान से मारने की दी धमकी

जलालाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं से लोगों में भय का माहौल बनता जा रहा है। ताजा मामला जलालाबाद कस्बे का है, जहां पैसों के विवाद में एक युवक ने सरेआम छुरी निकालकर दूसरे युवक को जान से मारने की धमकी दे दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी युवक गुस्से में घर से छुरी लेकर मौके पर पहुंचा और पीड़ित को धमकाने लगा। मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ ने किसी तरह स्थिति को संभाला, अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी।

बताया जा रहा है कि आरोपी की पहचान सुहैल अंसारी के रूप में हुई है, जो भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) से जुड़ा बताया जा रहा है और खुद को युवा मोर्चा का संगठन मंत्री बताकर लोगों पर रौब झाड़ता है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना की शिकायत पुलिस से किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे आरोपी के हौसले बुलंद हैं और वह खुलेआम क्षेत्र में घूम रहा है, जिससे आमजन में भय व्याप्त है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो इस प्रकार के लोग समाज के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। वहीं लोगों ने पुलिस प्रशासन से आरोपी के खिलाफ तत्काल सख्त कदम उठाने की मांग की है।

सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई स्कूटी, बीबीए के छात्र की मौत, मां की हालत गंभीर

सड़क हादसे में 20 वर्षीय बीबीए के छात्र अयान अंसारी की मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई क्षेत्र के ग्राम मंसूर सराय पिथापुर निवासी अयान अंसारी रविवार को अपनी मां के साथ स्कूटी से सहसपुर स्थित अपनी नानी के घर ईद मिलने गया था। देर रात करीब नौ बजे वह अपनी मां के साथ वापस स्योहारा लौट रहा था। उसी समय उसके पिता अनवर अंसारी आगे बाइक से जा रहे थे। बताया जाता है कि गांव महमूदपुर के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से अयान की स्कूटी अचानक टकरा गई, जिससे स्कूटी सवार अयान और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तुरंत उपचार के लिए मुरादाबाद के हायर सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान अयान ने दम तोड़ दिया, जबकि उसकी मां का इलाज जारी है। अयान अंसारी मुरादाबाद के एक कॉलेज में बीबीए द्वितीय वर्ष का छात्र था। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था और उसकी एक छोटी बहन है। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सोमवार दोपहर गमगीन माहौल में अयान को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। गांव में शोक की लहर है और हर आंख नम नजर आई।

बैंक्वेट हॉल में बन रहा था नामचीन ब्रांड का नकली गुटखा, कुंतल के हिसाब से माल बरामद, पांच पर रिपोर्ट

हल्दौर क्षेत्र के गांव पावटी के पास स्थित फैरी बैंक्वेट हॉल में नकली गगन गुटखा बनाने पर पुलिस ने कंपनी डायरेक्टर की तहरीर पर बैंक्वेट हॉल संचालक समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में नकली गुटखा, कच्चा माल और पैकिंग मशीन सहित पांच लाख रुपये से ज्यादा का सामान सीज किया है।गांव पावटी के पास बिजनौरझमुरादाबाद स्टेट हाईवे मार्ग पर स्थित फेरी फार्म हाउस में अवैध रूप से गगन कंपनी के नाम से गुटखा तैयार किया जा रहा था। सूचना मिलने पर रविवार शाम पुलिस, प्रशासन, केंद्रीय जीएसटी एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। साथ ही गगन कंपनी के डायरेक्टर अनिल गुप्ता की तहरीर पर बैंक्वेट हॉल संचालक नूरपुर के मोहल्ला कबीरनगर निवासी आदिल, अब्दुल रहमान, नूरपुर थाना के गांव कुंडा निवासी युसुफ, बरेली निवासी

अजय, बदायूं निवासी आसिफ के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस ने मौके से अब्दुल रहमान को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है। नूरपुर में पकड़ी गई नकली गगन गुटखा बनाने की फैक्टरी के संचालन में भी अब्दुल रहमान का नाम सामने आया था।टीम ने मौके पर सीज किया यह सामान अभिहीत अधिकारी नादिर अली ने बताया कि मौके से तैयार 2537 पाउच (आठ बोरे), 24 किलो खाली पाउच तथा तीन बोरी कच्चा माल (करीब 132 किलो) बरामद किया गया। इसके अलावा दो बोरी तंबाकू (करीब 62 किलो) पैकिंग मशीन और अन्य उपकरण सीज किए। वहीं, टीम ने पान मसाला पैक्डपाउच के दो, पान मसाला अपमिश्रक का एक, तंबाकू का एक नमूना संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा। पांच माह पहले भी पकड़ा गया था अब्दुल रहमान नूरपुर के मोहल्ला गांधीनगर में बंद मकान में नकली गगन गुटखा बनाने के मामले में भी आरोपी अब्दुल रहमान के खिलाफ करीब पांच माह पूर्व रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पांच अक्तूबर को एसआईबी अधिकारी विपिन तिवारी, अनिल राय और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजीव सिंह की संयुक्त टीम ने छापा मारकर 15 बोरे तैयार माल, नौ कट्टे कच्चा माल, कांटा, पैकिंग मशीन और अन्य उपकरण बरामद किए थे। चांदपुर निवासी गगन गुटखा डिस्ट्रीब्यूटर अर्पित जावा की शिकायत पर कार्रवाई की गई थी। जांच में सामने आया था कि अब्दुल रहमान अपने साथी कुंडा निवासी यूसुफ के साथ मिलकर नकली गुटखा बनाकर बाजार में सप्लाई कर रहा था। टीम ने बरामद माल जब्त कर मकान को सील कर दिया था। गगन गुटखा बनाने की नकली फैक्टरी पर छापा मारकर चार नमूने संग्रहित किए गए हैं। मौके पर पकड़ा गया पांच लाख रुपये से ज्यादा सामान सीज किया गया है। आगे भी अभियान चारी रहेगा।

15वें वित्त आयोग की धनराशि पर समीक्षा बैठक, डीएम ने दिए आवश्यक निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में सोमवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में स्थानीय निकायों को प्राप्त 15वें वित्त आयोग की धनराशि के उपयोग एवं स्वीकृति से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने सभी नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की विस्तृत जानकारी जिलाधिकारी को दी। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्रस्तावों पर गहन चर्चा करते हुए कार्यों की प्राथमिकता, गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाए तथा उपलब्ध धनराशि का पारदर्शी और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में डिप्टी कलेक्टर नीतू रानी, विकास चंद्र, रामानुज, उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल, सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, अध्यक्ष तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरियाणा सरकार का बड़ा कदम: अब जेल वार्डरों की वर्दी में लगेंगे हाईटेक कैमरे, कैदियों की हर एक्टिविटी होगी कैद

हरियाणा : हरियाणा में जेल सिक्योरिटी सिस्टम को और मजबूत करने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। प्रदेश के सभी जिला जेलों में तैनात जेल वार्डरों को बॉडी वार्न कैमरों से लैस किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस योजना के तहत करीब 3 हजार हाईटेक कैमरे खरीदे जाएंगे। सरकार के इस फैसले से कैदियों की हर एक्टिविटी रिकॉर्ड की जाएगी।

बता दें कि गुरुग्राम की भोंडसी, रोहतक की सुनारिया, फरीदाबाद की नीमका और अंबाला की सेंट्रल जेल से कई मामले सामने आए हैं, जहां कैदियों ने जेल के भीतर रहते हुए बाहरी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया। कुछ मामलों में जेल कर्मचारी भी शामिल पाए गए। जिसके चलते ये फैसला लिया गया।

बॉडी वॉन कैमरा के बारे में जानें

बॉडी-वर्न कैमरे छोटे, हल्के और पहनने योग्य ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण हैं, जिन्हें आमतौर पर पुलिस, सुरक्षा कर्मियों या फ्रंटलाइन वर्कर्स द्वारा अपनी वर्दी, छाती, कंधे या हेलमेट पर लगाया जाता है। इसका उपयोग पुलिस और सुरक्षा बल जनता के साथ अपनी बातचीत और अपराध स्थलों को रिकॉर्ड करने के लिए करते हैं, जिससे जवाबदेही बनी रहती है। निजी सुरक्षाकर्मी और डिलीवरी स्टाफ भी अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए इन्हें पहनते हैं।

बहादुरगढ़ में बेकाबू कैंटर का तांडव, राहगीरों, बाइक और ऑटो को मारी टक्कर, 3 की मौत सहित 4 घायल

बहादुरगढ़ : सोमवार को एक लापरवाह कैंटर चालक ने शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर हादसे कर दहशत फैला दी। इन भीषण दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से महिला को रोहतक के पीजीआईएमएस में रेफर किया गया है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मिली जानकारी के अनुसार पहला हादसा दिल्ली-रोहतक रोड पर आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित मामा चौक पर दोपहर के समय करीब साढ़े 12 बजे हुआ। यहां तेज रफ्तार कैंटर ने सड़क पार कर रहे दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी

सोमवार को एक लापरवाह कैंटर चालक ने शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर हादसे

भीषण थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।मृतकों की पहचान अशोक (32) निवासी आलियासपुर, जिला छपरा (बिहार) और शंभू (22) निवासी मांझी, जिला छपरा के रूप में हुई है। दोनों बहादुरगढ़ में रहकर नौकरी करते थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने पुलिस को सूचना दी।इसके बाद भी कैंटर चालक नहीं रुका और बहादुरगढ़ बाईपास की ओर भाग गया। वहां उसने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार योगेंद्र (30) निवासी कानोंदा की मौत हो गई, जबकि उसका साथी प्रवीण घायल हो गया। इसी दौरान कैंटर ने एक ऑटो को भी टक्कर मार दी, जिसमें तीन लोग सवार थे। इस हादसे में ऑटो में सवार प्रेम (महिला) निवासी लाइनपार, उनके पति कृष्ण और ऑटो चालक जयवीर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से महिला को रोहतक पीजीआईएमएस रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी कैंटर चालक की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पानीपत में खंडहर में मिला मानव कंकाल, करीब 2 महीने पुराना शव, पहचान में जुटी पुलिस

पानीपत : सैक्टर 13-17 क्षेत्र के साथ स्थित वृंदावन एंक्लेव में खंडहर मकान से करीब डेढ़ से 2 महीने पुराना एक मानव कंकाल मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में कंकाल काफी पुराना प्रतीत हो रहा है। इस दौरान सामाजिक संस्था जन सेवा दल के सदस्यों ने भी मौके पर पहुंचकर प्रशासन का सहयोग किया। पुलिस अधिकारियों अनुसार कंकाल की पहचान के लिए फॉरेंसिक जांच और डी.एन.ए. परीक्षण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। साथ ही आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों से भी मिलान किया जाएगा। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है ताकि सच्चाई जल्द सामने आ सके।

हंसी-खुशी गांव के लिए निकली थी रेनू, रास्ते में मौत ने छीना साथ...रोता-बिलखता परिवार लौटा खाली हाथ

रेवाड़ी : बावल क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 स्थित नेहचाना कट पर रविवार का दिन एक परिवार के लिए जिंदगी भर का दर्द बन गया। अपने गांव जाने के लिए घर से हंसी-खुशी निकली 51 वर्षीय रेनू देवी को क्या पता था कि रास्ते में मौत उनका इंतजार कर रही है। परिवार के साथ बिहार के सिवान जिले स्थित अपने पैतृक गांव लौटने की तैयारी में निकली रेनू देवी जैसे ही सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार से आया एक डंपर काल बनकर उन पर टूट पड़ा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रेनू देवी सड़क पर ही गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ीं। देखते ही देखते खुशियों भरा सफर मातम में बदल गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें संभाला और अस्पताल पहुंचाया, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। बावल से रेवाड़ी रेफर किए जाने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिस परिवार के साथ रेनू देवी अपने गांव लौटने निकली थीं, उसी परिवार को अब बिना उनके ही वापस लौटना पड़ा। घर जाने की खुशी पल भर में गहरे दुख में बदल गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हर किसी की आंखों में एक ही सवाल है कि आखिर उनकी क्या गलती थी। हादसे के बाद चालक डंपर मौके से फरार हो गया, जबकि पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार तेज रफ्तार और लापरवाही इस हादसे की बड़ी वजह मानी जा रही है। गांव लौटते समय जहां रेनू देवी को अपने लोगों से मिलने की आस थी। वहीं अब उनका पार्थिव शरीर ही गांव पहुंचेगा। पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और घर में मातम पसरा हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नेहचाना कट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि कोई और परिवार इस तरह की अपूरणीय क्षति न झेले।

'अगर नैतिकता है तो स्वयं दें इस्तीफा', क्रॉस वोट करने वाले कांग्रेस विधायकों को भूपेंद्र हुड्डा की दो टूक

रोहतक : हरियाणा की राजनीति में राज्यसभा चुनाव को लेकर घमासान तेज हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने क्रॉस वोटिंग करने वाले कांग्रेस विधायकों पर सख्त रुख अपनाते हुए दो टूक कहा है कि अगर उनमें नैतिकता बची है तो उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। रोहतक स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में हुड्डा ने कहा कि क्रॉस वोट करने वाले विधायकों ने सिर्फ पार्टी के साथ ही नहीं, बल्कि अपने मतदाताओं के विश्वास को भी तोड़ा है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी ऐसे विधायकों ने पार्टी छोड़ दी थी, इसलिए इस बार भी उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। हुड्डा ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने ऐसे विधायकों को नोटिस जारी कर दिया है और अब इस मामले में अंतिम फैसला पार्टी हाईकमान द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने संकेत दिए कि अनुशासनहीनता को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान हुड्डा ने हरियाणा की मौजूदा सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की रिपोर्ट ने ही प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली की पोल खोल दी है। उनके अनुसार प्रदेश में किसी भी क्षेत्र में संतोषजनक काम नहीं हुआ है और हर वर्ग सरकार से परेशान है। वहीं बेमौसमी बारिश के चलते फसलों को हुए नुकसान का मुद्दा उठाते हुए हुड्डा ने सरकार से तुरंत गिरदावरी कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा मिलना चाहिए ताकि उन्हें राहत मिल सके। इसके अलावा गेहूं खरीद को लेकर ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट अनिवार्य करने के फैसले का भी उन्होंने विरोध किया। हुड्डा ने कहा कि कई मामलों में जमीन महिलाओं के नाम होती है, ऐसे में यह फैसला किसानों के लिए परेशानी खड़ी करेगा, इसलिए सरकार को इसे तुरंत वापस लेना चाहिए। गैस की किल्लत के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरा और कहा कि अगर वास्तव में पर्याप्त गैस उपलब्ध है तो सरकार को इसकी आपूर्ति सुनिश्चित कर जनता के बीच भरोसा कायम करना चाहिए।

कुरुक्षेत्र में बड़ा जमीन घोटाला : 3 मरले की जमाबंदी बदलकर बेटे के नाम की, फिर तीसरे को बेच दी

कुरुक्षेत्र : जिले में जमीन हड़पने के एक मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस्माइलाबाद क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन कब्जाने की साजिश का खुलासा हुआ है। आरोप है कि आरोपियों ने मिलीभगत कर पहले रजिस्ट्री में कम जमीन दिखाकर बाद में सरकारी रिकॉर्ड में ज्यादा दर्ज करवा ली और फिर उसे आगे बेच दिया। पीड़ित पक्ष के अनुसार, उनकी मां स्वर्ण लता ने वर्ष 1991 में करीब 2 मरले 5 सरसाही जमीन की रजिस्ट्री करवाई थी, जबकि शर्त यह थी कि बची हुई जमीन उनके पास ही रहेगी। लेकिन आरोप है कि रजिस्ट्री के बाद ही आरोपी अशोक कुमार मेहता ने धोखाधड़ी शुरू कर दी। इंतकाल में किया खेल बताया जा रहा है कि तहसील में इंतकाल दर्ज करवाते समय जानबूझकर जमीन को 3 मरले दिखा दिया गया, जबकि असल में जमीन इससे कम थी। हालांकि बाद में अधिकारियों ने इस इंतकाल को खारिज भी कर दिया, लेकिन इसके बावजूद आरोपियों ने फर्जी तरीके से जमाबंदी में 3 मरले दर्ज करवा लिए। बेटे के नाम ट्रांसफर कर आगे बेची जमीन

मामले में आगे खुलासा हुआ कि आरोपी ने अपने बेटे करण मेहता के नाम ब्लड रिलेशन के आधार पर ट्रांसफर डीड करवाई और उसी आधार पर जमीन तीसरे व्यक्ति को बेच दी। इस तरह बची हुई जमीन को भी हड़पने की कोशिश की गई।पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि दस्तावेजों की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कुलदीप वत्स ने हुड्डा से मुलाकात पर फैली अफवाहों पर लगाया विराम, बोले- 'मांगें पूरी हो गईं, कोई नाराजगी नहीं'

झज्जर : हरियाणा की राजनीति में चचाओं के बीच कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से अपनी हालिया मुलाकात को लेकर फैल रही अफवाहों पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाई जा रही है और इसे बेवजह राजनीतिक रंग दिया जा रहा है ' कुलदीप वत्स ने कहा कि यह कहना पूरी तरह गलत है कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा उन्हें मनाने के लिए उनके पास पहुंचे थे। उन्होंने दोहराया कि हुड्डा उनके लिए पिता समान हैं और परिवार के मुखिया की तरह हैं। उन्होंने बताया कि खेडी जट गांव में कुलदीप पहलवान की मां के काज के अवसर पर कार्यक्रम उन्होंने ही तय कराया था और वे खुद बॉर्डर से हुड्डा को रिसीव कर अपने साथ लेकर आए थे। वत्स

ने कहा कि कुछ लोग हर बात में राजनीति करने की कोशिश करते हैं और बिना वजह मिर्च-मसाला लगाकर बातें फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा उनके नेता हैं और दोनों परिवारों के बीच पारिवारिक संबंध हैं, जिन्हें गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हाल ही में हुड्डा उनके निवास पर उनके भतीजे की शादी के बाद नव दंपति को आशीर्वाद देने पहुंचे थे। इस मुलाकात को भी राजनीतिक नजरिए से देखना गलत है। राज्यसभा चुनाव के बाद उनकी नाराजगी को लेकर पूछे गए सवाल पर वत्स ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व के सामने क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के नाम सार्वजनिक करने की मांग रखी थी। पार्टी ने उनकी इस मांग को स्वीकार करते हुए पांच विधायकों के नाम सार्वजनिक किए हैं और उन्हें नोटिस भी जारी किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि उनकी कुछ अन्य छोटी मांगें भी हैं,

जिन्हें उन्होंने ईमेल के माध्यम से पार्टी हाईकमान तक पहुंचाया है। इन मांगों पर भी उन्हें सकारात्मक आश्वासन मिला है और जल्द कार्रवाई की उम्मीद है। कुलदीप वत्स ने अंत में कहा कि वो पार्टी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं और अनावश्यक अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

बहादुरगढ़ में महिला का शव मिलने से सनसनी, हाथों में लिखे हैं 5 नाम, पहचान करने में जुटी पुलिस

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ के गांव मातन में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। बहादुरगढ़ के बेरी रोड़ पर खेतों के कच्चे नाले में करीब 35 से 40 वर्ष की महिला का शव पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। गांव के सरपंच ने पुलिस को मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही मांडोठी चौकी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल भिजवाया गया। प्रारंभिक जांच में महिला के सिर और चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कर शव को यहां फेंका गया है। पुलिस अब इस एंगल से भी जांच कर रही है कि हत्या कहीं और करने के बाद शव को कच्चे नाले में लाकर डाला गया हो।पुलिस के अनुसार मृतका ने नीले रंग की पजामी, लाल-भूरे रंग का सूट और पीली चुन्नी पहन रखी थी। महिला के हाथों पर ममता, सोनू, राकेश, ईश्वर और राजकुमारी पाल नाम लिखे हुए मिले हैं। पुलिस इन नामों के आधार पर भी मृतका की पहचान करने की कोशिश कर रही है।दिल्ली और हरियाणा के आसपास के जिलों में पहचान कर रही पुलिस मांडोठी चौकी पुलिस ने हत्या और शव खुर्द-बुर्द करने की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस देश की राजधानी दिल्ली और हरियाणा के आसपास के जिलों में महिला की पहचान, घटनास्थल के आसपास की गतिविधियों और संभावित संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मगर पुलिस इस मामले में मीडिया के कैमरे के सामने कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब देखना होगा कि आखिर पुलिस हत्या की इस गुत्थी को कब तक सुलझाने में सफलता हासिल कर पाती है।

जींद में 80 वर्षीय बुजुर्ग से 1 करोड़ की ठगी, डिजिटल अरैस्ट कर दिया वारदात को अंजाम

जींद : साइबर ठगी करने वाले लोगों ने जींद जिले के कस्बे सफीदों के 80 वर्षीय एक बुजुर्ग को डिजिटल अरैस्ट करके उससे करीब 1 करोड़ रुपए ठग लिए। जानकारी अनुसार सफीदों की आदर्श बस्ती निवासी हवा सिंह मार्कीटिंग सोसायटी से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। अभी 12 मार्च को साइबर ठगी करने वाले लोगों ने उन्हें डिजिटल अरैस्ट कर लिया। उन्हें कहा कि उनके खिलाफ मुकद्दमा दर्ज है और उनके खाते में मनी लॉन्ड्रिंग का पैसा आया हुआ है। उनके पास जितने भी पैसे हैं वह एक बार उन्हें ट्रांसफर कर दें। यह पैसा उनके पास सुरक्षित रहेगा और इस मामले का निपटारा होने के बाद यह पैसा उन्हें वापस कर दिया जाएगा। साइबर ठगी करने वाले लोगों ने हवा सिंह को स्पष्ट तौर पर बताया कि उन्हें डिजिटल

अरैस्ट किया जा रहा है और वह उनकी निगरानी में रहेंगे। वह साइबर ठगों के झांसे में आ गए और उन्होंने 98 लाख 25 हजार रुपए उनके कहे अनुसार उनके द्वारा बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दिए। हवा सिंह ने बताया कि उन्हें 12 से 19 मार्च तक डिजिटल अरैस्ट करके रखा। बाद में जब हवा सिंह को इस बात का अहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हो गई है तो उसने साइबर सैल की मदद ली।

साइबर क्राइम थाना जींद पुलिस ने हवा सिंह की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

रेवाड़ी एम्स में एमबीबीएस की 50 सीटों को मंजूरी, जल्द शुरू होगी कक्षाएं

रेवाड़ी : रेवाड़ी के माजरा में एनएच-11 स्थित निमार्णाधीन देश के 22वें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को कार्यशील बनाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्रालय ने एम्स में एमबीबीएस की शुरूआती 50 सीटों को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जल्द ही एमबीबीएस की कक्षाएं और ओपीडी सेवाएं शुरू होंगी। दिल्ली एम्स द्वारा रेवाड़ी एम्स में प्रशासनिक पदों को भरने के लिए पहले ही विज्ञापन जारी किए जा चुके हैं। अन्य पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी जारी है। रेवाड़ी एम्स में कुल 1700 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की भर्ती की जानी है। एम्स प्रशासन द्वारा भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का यह पहला अवसर है। गुरुग्राम के सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के कार्यालय ने बताया कि एम्स

प्रशासन को भविष्य में तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों के लिए और विज्ञापन जारी करने हैं। कुछ पदों के लिए वित्त मंत्रालय से अभी मंजूरी नहीं मिली है, जिसकी जल्द मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव की ओर से तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों को भरने के लिए वित्त व्यय विभाग को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि जल्द ही वित्त मंत्रालय से बात कर फाइलों को मंजूरी दिलवाएंगे, ताकि तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों को भी भरा जा सके।

एम्स में ओपीडी सेवाएं शुरू करने के लिए डॉक्टरों की नियुक्तियां आवश्यक हैं और इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। राव इंद्रजीत सिंह ने दोहराया कि तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों पर भी जल्द भर्ती शुरू होगी। 750 बिस्तरों वाले इस एम्स के निर्माण पर लगभग 1700 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

'पत्नी के मायके जाने से परेशान होकर की थी हत्या...', पूछताछ में पति ने किए चौंकाने वाले खुलासे

कैथल : हरियाणा के कैथल में पत्नी शालू की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या करने वाले आरोपी पति अरुण ने पुलिस पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि हत्या के बाद वह खुद भी सुसाइड करना चाहता था और सुसाइड नोट भी लिख चुका था, लेकिन हिम्मत नहीं जुटा सका। पूरी रात वह पत्नी के शव के पास ही बैठा रहा, जबकि दोनों बच्चे बेड पर सोते रहे।

हत्या के बाद का डरावना मंजर

अगली सुबह करीब 11 बजे आरोपी की हिम्मत जवाब दे गई। सामने वाले घर में झाड़ू-पोंछा कर रही भाभी दामिनी को उसने कहा, "मैंने अपनी पत्नी को मार दिया है, आप संभाल लेना।" फिर वह घर से भाग निकला।

गिरफ्तारी तक वह शहर में ही घूमता रहा। पुलिस ने रेलवे फाटक के पास से उसे दबोच लिया।

सास को कॉल, फोन तोड़ा और सुसाइड नोट का राज

भागने से पहले अरुण ने पत्नी का मोबाइल तोड़ दिया और सास सुनीता देवी को कॉल कर कहा, "आपकी बेटी इस दुनिया में नहीं रही, मैंने ही मारी है। फोटो भेजूं क्या?" इससे सास से उसकी बहस हो गई। पूछताछ में अरुण ने सुसाइड नोट का भी जिक्र किया। इसमें उसने लिखा कि वह शालू से बहुत प्यार करता था, लेकिन उसके बार-बार मायके (बठिंडा) जाने से परेशान था। पत्नी बच्चों के साथ मायके ज्यादा रहती थी और ससुराल आने पर धमकी देकर वापस भेज देते थे। नोट में उसने दोनों की मौत का जिम्मेदार खुद को बताया, लेकिन हत्या के बाद सुसाइड नहीं कर पाया।

शहर थाना एसएचओ गीता ने बताया कि आरोपी ने पत्नी के चरित्र पर शक को हत्या का मुख्य कारण बताया। वह पहले चोरी के मामले में भी फंस चुका था। उधर, मृतका शालू का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद उसके मायके वाले बठिंडा ले गए और वहीं अंतिम संस्कार किया। उन्होंने शालू के 5 साल के बेटे और 3 साल की बेटी को भी अपने साथ ले लिया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

रेडक्रास का डबल प्लान ! हरियाणा में खोलेगी क्लीनिकल लैब....सस्ती जांच के साथ बच्चों के विकास पर भी जोर

चंडीगढ़ : हरियाणा में आमजन को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। हरियाणा रेडक्रास सोसायटी ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर

पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत क्लीनिकल लैब स्थापित करने का निर्णय लिया है। इन लैब्स में लोगों को बेहद रियायती दरों पर विभिन्न मेडिकल जांच सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने चंडीगढ़ में जानकारी देते हुए बताया कि सिविल अस्पतालों में आमजन को कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधा देने के उद्देश्य से जिला स्तर पर लैब खोलने का फैसला लिया गया है। इस पहल से खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही, रेडक्रास सोसायटी ने जूनियर रेडक्रास कैंप से जुड़ी गतिविधियों को भी मजबूत करने का निर्णय लिया है। कैंप के लिए मिलने वाली राशि को सीधे बच्चों की सुविधाओं और उनके विकास पर खर्च किया जाएगा। प्रारंभिक चरण में 13 जिलों के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें संबंधित जिलों का दौरा करेंगी, जूनियर रेडक्रास कैंप की गतिविधियों का निरीक्षण करेंगी और बच्चों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं और सुझावों को समझेंगी। इस पहल को स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

'कोई भी कुछ भी कह सकता है, इससे सच्चाई नहीं बदलती', अभय चौटाला के वोट खरीदने के आरोपों पर कृषि मंत्री का जबाव

रोहतक : रोहतक में आयोजित एक कार्यक्रम में हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने शिरकत करते हुए किसानों, राज्यसभा चुनाव और मौजूदा हालात पर अपनी प्रतिक्रिया दी। यह कार्यक्रम एक निजी वेटरनरी कॉलेज में आयोजित किया गया, जहां मंत्री ने विभिन्न मुद्दों पर मीडिया से खुलकर बातचीत की।

राज्यसभा चुनाव को लेकर उठे विवादों पर बोलते हुए श्याम सिंह राणा ने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति को चुनाव लड़ने का अधिकार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्दलीय उम्मीदवार को मैदान में उतारना पूरी तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अभय चौटाला द्वारा लगाए गए वोट खरीदने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि ह्लकोई भी कुछ भी कह सकता है, इससे सच्चाई नहीं बदलती।ह्व उन्होंने यह भी कहा कि निर्दलीय उम्मीदवार को निर्दलीय विधायकों ने ही समर्थन देकर खड़ा किया था। बेमौसम बारिश के मुद्दे पर

मंत्री ने कहा कि सामान्य बारिश से फसलों को फायदा होता है, लेकिन ओलावृष्टि और तेज हवाएं नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी हर संभव मदद के लिए तैयार है। किसानों की आय बढ़ाने को लेकर उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अगर किसान अपनी फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दाम पर बेचते हैं तो भावांतर योजना के तहत उसकी भरपाई की जाती है। इसके अलावा प्राकृतिक खेती, बागवानी और पशुपालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। पशुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए एक गाय पर 30 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है, जबकि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को 10 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता मिलती है।अंतरराष्ट्रीय हालात पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि वैश्विक तनाव के बावजूद भारत पर इसका असर सीमित रहा है, जिसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को जाता है। उन्होंने कहा कि देश मजबूत हाथों में है और आगे भी प्रगति करता रहेगा।

समर वेडिंग के लिए परफेक्ट हैं फ्लोरल लहंगे

गर्मी का मौसम शुरु हो गया है। इस मौसम में अगर आपको किसी शादी में जाना हो तो सबसे पहले मन में यही ख्याल आता है कि इतनी गर्मी में डीप कलर के हेवी लहंगे या साड़ियां पहनी कैसे जाएंगी। तो आपकी इस समस्या का हल है फ्लोरल लहंगे। लाइट और ब्राइट कलर्स के फ्लोरल लहंगे समर वेडिंग के लिए परफेक्ट चॉइस है।

ट्रडिशनल अवतार

लाइट पिंक कलर की चिकनकारी वर्क वाली स्कर्ट के साथ पतले स्ट्रैप वाली ब्लाउज और फ्लोरल दुपट्टा...यह लुक इस लुक को अपनी किसी दोस्त या रिश्तेदार के शादी में ट्राई कर सकती हैं।

लॉन्ग फ्लोरल लहंगे के लुक वाली स्कर्ट संग मैचिंग केप डिजाइन वाली क्रॉप टॉप और खुले बाल में बेहद खूबसूरत लगेंगी। ब्राइस्डमेड के तौर पर भी आप इस लुक को गर्मी के मौसम की शादियों में ट्राई कर सकती हैं।

ऑफ वाइट कलर का फ्लोरल लहंगा स्कर्ट, मैचिंग दुपट्टा और डीप ग्रीन कलर की ब्लाउज। गर्मियों में जब लाइट और ब्राइट कलर्स का ट्रेंड रहता है, ऐसे में यह लहंगा परफेक्ट चॉइस है।

सिंपल लुक

अगर आपको भी लाइट कलर्स पसंद हैं तो किसी दोस्त या रिश्तेदार की समर वेडिंग में इस लुक को ट्राई कर सकती हैं। पाउडर ब्लू कलर और पिंक कलर का यह लहंगा देखने में भले ही बेहद सिंपल हो लेकिन यह आपको अलग और डिफरेंट लुक देगा।

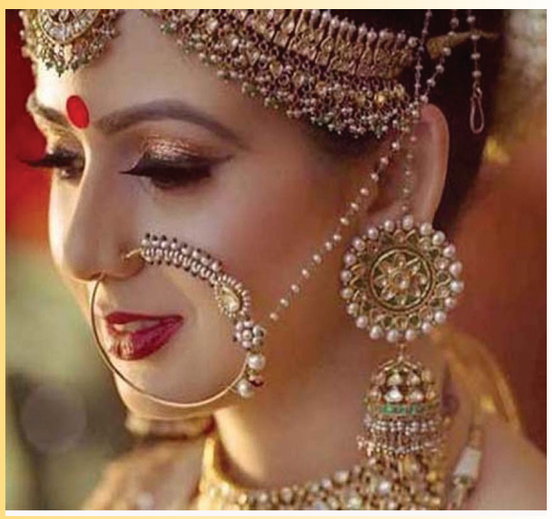

ब्राइडल लुक को और खास बना देंगे नथ के ये डिजाइन

भारतीय दुल्हन के श्रृंगार में चार चांद लगाने का काम करती है नथ जो चेहरे की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती है। अगर आप भी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं तो नथ लेते समय इसके नए डिजाइंस के बारे में एक बार जरूर जान लें।

दुल्हन बनने की तैयारी कर रहीं हैं और कपड़ों के साथ ही सही ज्वैलरी डिजाइंस को चुनना जरुरी है। ज्वैलरी का सबसे खास हिस्सा होता है नाक की नथ और इसके कई सारे डिजाइन आपको बाजार में मिल जाएंगे।

रिंग वाली नथ- अगर आप बहुत सिम्पल सी नथ पहनना चाहती हैं तो रिंग वाली नथ ट्राई कर सकती हैं।

जड़ाऊ नथ- जड़ी हुई नथ शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़ाऊ लंहगे के साथ पहन सकती है।

मल्टीपल चेन वाली नथ- अगर आप ज्वैलरी डिजाइन के साथ प्रयोग करना चाहती हैं तो तीन चैन वाली नथ को पहनकर देखिए यह आपके चेहरे का लुक ही बदल देगी। इसके साथ हैवी मांगटीका भी बहुत अच्छा लगता है।

ब्रांज नथ- इसे प्योर गोल्ड से बनाया जाता है जो हल्का सा डल लुक देता है।

हूप नथ- बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

त्वचा की हर समस्या का समाधान रखता है शहद, जानिए इसके फायदे

जब भी स्किन केयर की बात होती है तो हम नेचुरल आइटम्स पर अधिक फोकस करना पसंद करते हैं। इनसे स्किन को किसी भी तरह के नुकसान होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। वहीं, दूसरी ओर यह नेचुरल इंग्रीडिएंट्स हर तरह की स्किन के लिए अच्छे माने जाते हैं। इन्हीं स्किन केयर इंग्रीडिएंट्स में से एक है शहद। शहद को लंबे समय से कभी स्किन केयर पैक तो कभी यूं ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें गजब के मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं, जो आपकी स्किन को अधिक स्वस्थ और बेहतर बनाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शहद से स्किन को मिलने वाले कुछ गजब के फायदों पर चर्चा कर रहे हैं-

मिलती है ग्लोइंग स्किन

अगर आप अपनी स्किन को नेचुरली हेल्दी व ग्लोइंग बनाना चाहती हैं तो इसके लिए शहद से अधिक बेहतर उपाय और कोई नहीं है। शहद में त्वचा को चमकदार बनाने के गुण होते हैं और यह उपयोग के बाद यह आपके फेस पर चमक के साथ-साथ नमी भी बनाए रखता है। रूखी स्किन की महिलाएं तो इसे इस्तेमाल करती हैं ही, साथ ही साथ यह ऑयली, एक्ने और अन्य स्किन के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है।

निशानों को करे हल्का

शहद में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो घाव भरने और निशानों को मिटाने में मदद करते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी स्किन पर किसी तरह के निशान को हल्का करना चाहते हैं तो ऐसे में शहद के इस्तेमाल से वह धीरे-धीरे मिटने लगते हैं। आप एक्ने के दाग-धब्बों को मिटाने के लिए शहद का इस्तेमाल स्पॉट ट्रीटमेंट के रूप में कर सकते हैं।

एजिंग के साइन्स को करे रिवर्स

अगर आप अपनी स्किन को अधिक लंबे समय तक जवां-जवां बनाए रखना चाहती हैं तो ऐसे में शहद का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। शहद में मौजूद प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद करते हैं। शहद चेहरे पर झुर्रियों और महीन रेखाओं की उपस्थिति को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं, शहद को चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बेहतर होती है, जिससे वह जवां और चमकदार दिखती है। आप हर सप्ताह शहद का मास्क लगा सकती हैं और अपनी स्किन को अधिक यंगर बना सकती हैं।

सनबर्न से राहत

अगर आपकी स्किन पूरे दिन धूप में रहने के कारण डैमेज हो रही है तो ऐसे में शहद आपकी मदद कर सकता है। धूप से झुलसी त्वचा के कारण स्किन में रेडनेस, सूखापन और जलन महसूस होती है। ऐसे में अपनी स्किन को ठंडक प्रदान करने के लिए आप एक भाग कच्चे शहद को दो भाग एलोवेरा जेल के साथ मिक्स करें और सीधे प्रभावित जगह पर लगाएं। याद रखें कि आप मिश्रण को रगड़ें नहीं, बल्कि इसकी लेयर लगाकर ऐसे ही छोड़ दें। यह उपाय ना केवल सनबर्न से राहत दिलाएगा, बल्कि आपकी स्किन के रंग-रूप में भी सुधार करने में मदद करेगा।

खूबसूरत बाल के लिए अपनायें ये उपाय

आजकल प्रदूषण और सही डाइट ना लेने के कारण कम उम्र में ही बाल सफेद होने लगते हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाकर आप बालों की समस्याओं से राहत पा सकती हैं। कई बार ध्यान न देने की वजह से लोगों के बाल रूखे-सूखे और बेजान होने के साथ कम उम्र में ही झड़ने लगते हैं। ऐसे में अपने बालों को फिर से लंबे और खूबसूरत बनाने के लिए आयुर्वेद नुस्खे अपना सकती हैं।

मेथी दाना- मेथी दाने में भरपूर मात्रा में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन सी पाया जाता है। इसमें प्रोटीनऔर निकोटीन एसिड भी पाया जाता है, जिससे झड़ते बालों की समस्या दूर हो जाती है। स्कैल्प हेल्दी रहती है और बाल डैमेज नहीं होते हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में भी मेथी दाना शामिल कर सकते हैं। रात में 2 चम्मच मेथी दाने को पानी में भिगो दें। अगली सुबह वो पानी पी लें। बचे हुए मेथी दाने को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को जड़ों में लगाकर 20 मिनट बाद बाल धोलें। बाल जल्दी घने, लंबे और मजबूत बनेंगे।

आंवला- डाइट में विटामिन सी की कमी के कारण भी बाल झड़ने लगते हैं और बालों में डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। लेकिन आंवले के सेवन और बालों में आंवले के तेल से मालिश करने से बालों की सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही बाल लंबे समय तक काले रहते हैं।

दही- दही में कूलिंग प्रॉपर्टीज होने के साथ प्रोटीन भी पाया जाता है। प्रोटीन स्कैल्प की हेल्थ और नए फोलिसल्स की ग्रोथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। अपने बालों पर दही से मसाज करें और 15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद शैंपू से सिर धो लें। बालों पर दही लगाने से बाल मजबूत होने के साथ कोमल और मुलायम भी बनते हैं।

बालों के झड़ते बालों की समस्या को दूर करने के लिए छाछ, दालचीनी, तरबूज, अंगूर आदि चीजों का सेवन करना चाहिए। इनके सेवन शरीर को जरूरी पोषक मिलते हैं, जो बालों को सेहतमंद बनाने के लिए जरूरी होते हैं।

इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

लड़कियों को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

गर्मी में डेनिम वियर से मिलेगी राहत

गर्मी के मौसम में खानपान के साथ ही पहनावे का भी भी विशेष ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में गरमी से राहत पाने के साथ ही स्टाइलिस दिखने के लिए आप डेनिम कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह कपड़े घर बाहर और ऑफिस सब जगह पहने जा सकते हैं।

डेनिम पैंट- डेनिम पैंट का हर समय चलन रहता है पर गरमी के मौसम में डेनिम पैंट आपके लिए काफी आरामदायक रहती है।

डेनिम शर्ट और कुर्ती - गर्मी में आप डेनिम की शर्ट और कुर्ती पहन सकती हैं। ये परिधान इस मौसम में आरामदायक होने के के साथ देखने में अच्छे भी लगते हैं।

डेनिम मिडी स्कर्ट- इस गर्मी के मौसम में आप डेनिम का मिडी स्कर्ट ट्राई कर सकती हैं। यह मिडी स्कर्ट आपको गर्मी से राहत दिलाएगी और काफी हद तक स्टाइलिस भी है।

डेनिम जैकेट- धूप से बचने के लिए आप डेनिम जैकेट को पहन सकती हैं। यह आपको स्टाइलिस लुक देने के साथ ही गरमी की तपिश से बचाएगा।

एकता कपूर लॉन्च करेंगी 'हुनर' कलाकारों को मिलेगा नया मंच

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री को कई बड़े सितारे देने वाली प्रोड्यूसर एकता कपूर अब टैलेंट मैनेजमेंट की दुनिया में भी कदम रख रही हैं। उनके नेतृत्व वाली कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने नए टैलेंट मैनेजमेंट वेंचर 'हुनर' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नई कंपनी खास तौर पर कलाकारों को निखारने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कहानी कहने और परफॉर्मेंस के कल्चर को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई है। 'हुनर' का मकसद बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के स्थापित कलाकारों के साथ-साथ नए क्रिएटर्स और एक्टर्स को भी एक ऐसा प्लेटफॉर्म देना है, जहां उन्हें सही दिशा और मौके मिल सकें।

कंपनी के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म टैलेंट को सिर्फ रिप्रेजेंट करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कलाकारों की आर्टिस्टिक ग्रोथ पर भी काम करेगा। यहां कलाकारों को सही गाइडेंस, बेहतर अवसर और एक क्रिएटिव माहौल दिया जाएगा, जिससे वे अपने हुनर को निखार सकें और यादगार कहानियों का हिस्सा बन सकें। नए वेंचर के बारे में बात करते हुए एकता कपूर ने कहा कि बालाजी टेलीफिल्म्स में हमेशा से यह विश्वास रहा है कि टैलेंट तभी चमकता है, जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। उनके मुताबिक, 'हुनर' के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने की कोशिश है, जहां कलाकारों को सिर्फ मैनेज नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें समझा भी जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी का मकसद कलाकारों को सोच-समझकर गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के हिसाब से मौके तलाशने में मदद करना और उनके लंबे समय तक विकास में साथ देना है। एकता के अनुसार, यह पहल कलाकारों को एक्सपेरिमेंट करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का मौका देगी। इस नए वेंचर के लॉन्च को सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित फेयरमोंट मुंबई में एक एक्सक्लूसिव 'हुनर लॉन्च पार्टी' का आयोजन किया जाएगा। इस खास शाम में बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री के कई दिग्गज सितारे, क्रिएटर्स, इंडस्ट्री लीडर्स और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे। एकता कपूर लंबे समय से नए टैलेंट को मौका देने के लिए जानी जाती हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस ने इंडस्ट्री को कई बड़े कलाकार दिए हैं। ऐसे में 'हुनर' के जरिए वह अपने इसी विजन को और आगे बढ़ा रही हैं। इस पहल के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स न सिर्फ कहानी कहने की अपनी विरासत को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच भी तैयार कर रहा है, जहां वे सीख सकें, बढ़ सकें और अपनी पहचान बना सकें।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया भट्ट

करण बोले- मुझे तुम पर गर्व है

बॉलीवुड में लंबे समय से 'इनसाइडर वर्सेस आउटसाइडर' की बहस चलती रही है। ऐसे में जब भी कोई बड़ा स्टार नए टैलेंट को आगे बढ़ाने की बात करता है तो वह चर्चा का विषय बन जाता है। अब इसी कड़ी में अभिनेत्री आलिया भट्ट का बयान सामने आया है, जिसने इस बहस को एक नई दिशा दे दी है। आलिया ने कहा कि वह अपने प्रोडक्शन के जरिए आउटसाइडर्स को लॉन्च करेंगी। दरअसल, आलिया भट्ट शुक्रवार को अपनी नई प्रोडक्शन फिल्म 'डोंट बी शाई' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं। यह फिल्म अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के एक बड़े इवेंट के दौरान पेश की गई, जहां कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा भी हुई। इसी दौरान स्टेज पर आलिया और फिल्ममेकर करण जौहर के बीच एक दिलचस्प बातचीत देखने को मिली, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। इवेंट में करण जौहर ने हल्के-फुल्के अंदाज में आलिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब एक समझदार और अनुभवी प्रोड्यूसर बन गई हैं। उन्होंने कहा, ''आलिया, आपने सच में प्रोड्यूसर होने की कला में महारत हासिल कर ली है, क्योंकि आपके जवाब मेरे सवालों से बहुत अलग लगते हैं।'' आलिया ने इसका जवाब देते हुए कहा, ''हां करण, क्योंकि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका होता है।'' करण जौहर ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए मजाक में कहा कि शायद उन्हें एक्टर्स को लॉन्च करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

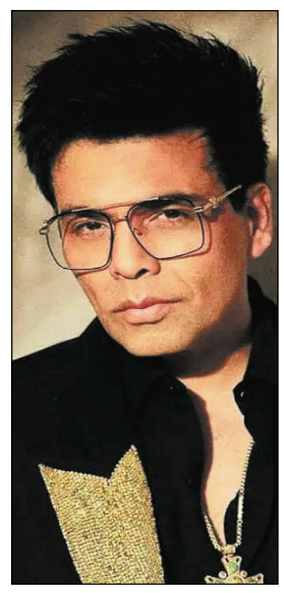

यह कहते हुए कि उन्होंने जब आलिया को अपने प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बारे में याद दिलाया और कहा कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए उन्हें लॉन्च किया था तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, ''अच्छा, मैं क्या कह सकती हूं? सबसे अच्छे लोगों ने हमें हमेशा सिखाया है कि हर चीज की एक टाइमिंग होती है।'' इसी दौरान करण जौहर ने एक अहम सवाल पूछा कि क्या आलिया जिन कलाकारों को लॉन्च करने जा रही हैं, वे 'आउटसाइडर्स' हैं। इस पर आलिया ने बिना किसी हिचकिचाहट के 'हां' कहा। यह जवाब सुनकर करण जौहर ने कहा कि मुझे आप पर गर्व है आलिया। अगर फिल्म 'डोन्ट बी शाई' की बात करें तो यह एक युवा लड़की श्यामिली 'शाई' दास की कहानी है, जो 20 साल की है और अपनी जिंदगी के सभी फैसले खुद करती है। उसे लगता है कि उसने सब कुछ प्लान कर लिया है, लेकिन अचानक उसकी जिंदगी में ऐसे बदलाव आते हैं जो उसे पूरी तरह से हिला देते हैं। यह कहानी एक साधारण लड़की के असाधारण सफर को दिखाती है, जिसमें भावनाएं, संघर्ष और आत्मविश्वास की झलक देखने को मिलेगी। यह फिल्म आलिया भट्ट की कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनाई जा रही है।

वाराणसी के बाद संदीप रेड्डी वांगा की 'डेविल' में दिख सकते हैं महेश बाबू

महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बड़े बजट की फिल्म में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्मी गलियारों में चर्चा तेज है कि 'वाराणसी' के बाद महेश निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ नई फिल्म कर सकते हैं। फिलहाल वह 'स्पिरिट' की तैयारियों में व्यस्त हैं, रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने 'डेविल' टाइटल से एक दमदार स्क्रिप्ट भी तैयार कर रखी है। बताया जा रहा है कि यह संभावित फिल्म एक इंटेंस और डार्क थ्रिलर हो सकती है।

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। खास बातचीत में दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही 'पूरी' होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, 'चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।' समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, 'तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ने लिखा खास संदेश

मृणाल ठाकुर का फिल्मी करियर दस साल का हो गया है। उनकी पहली फिल्म 'लव सोनिया' आज से दस साल पहले रिलीज हुई थी। पहली ही फिल्म में मृणाल के अभिनय को पसंद किया गया था। अब आज इंडस्ट्री में अपने दस साल पूरे होने पर एक्ट्रेस ने 'लव सोनिया' के समय को याद किया। साथ ही उन्होंने 'लव सोनिया' के फैंस के लिए एक सरप्राइज भी दिया। 19 मार्च को अपनी पहली फिल्म 'लव सोनिया' और अपने करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। पोस्ट में मृणाल ने अपने शुरुआती दिनों के बारे में एक बेहद निजी संदेश लिखा। फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज से दस साल पहले... मैंने पहली बार फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक सपना, एक शुरुआत, एक ऐसा जीवन जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं हमेशा आभारी रहूंगी।' इस दौरान अपनी पोस्ट में मृणाल ठाकुर ने फैंस के लिए खास घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि 'लव सोनिया' के कुछ अनदेखे डिलीट किए गए सीन ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। एक्ट्रेस ने कहा कि 24 घंटे में पहली बार हम 'लव सोनिया' के नौ अनदेखे डिलीट किए गए सीन रिलीज करेंगे। तबरेज नूरानी द्वारा निर्देशित 'लव सोनिया' 2016 में निर्माण शुरू होने के बाद 2018 में रिलीज हुई थी। वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म सोनिया की उस जर्नी को दर्शाती है, जिसमें वह अपनी बहन प्रीति को बचाने की कोशिश करती है। जिसे अंतरराष्ट्रीय यौन तस्करी में बेच दिया गया था। कहानी में तब एक भयावह मोड़ आता है, जब सोनिया खुद इस जाल में फंस जाती है।

प्रियन सर के साथ काम करना मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में राजपाल यादव भी नजर आएंगे। तीनों की यह तिकड़ी पहले 'भूल भुलैया' में काम कर चुकी है। राजपाल कहते हैं कि 'भूत बंगला' की कहानी सिर्फ एक हॉरर कॉमेडी नहीं, बल्कि एक रहस्य से भरी दुनिया है। टीजर में दिखाया गया 'वधुसुर' और मंगलपुर की हवेली दरअसल उस बड़े रहस्य की झलक भर है।' करीब 25 साल के करियर में सैकड़ों किरदार कर चुके राजपाल खुद को आज भी छात्र ही मानते हैं। वह कहते हैं कि 'जब एक्टर किरदार की सोच को समझ लेता है तो उसकी बॉडी लैंग्वेज अपने आप बदल जाती है। मैं कभी किसी की नकल नहीं करता हूं।'

राजपाल बताते हैं कि, 'प्रियदर्शन के साथ मेरा रिश्ता दो दशक से भी पुराना है। मैंने कभी उनसे स्क्रिप्ट तक नहीं पूछी। जब भी उनका फोन आता है, सिर्फ यही कहते हैं- 'राजपाल, आना है...' तो मैं बिना कुछ पूछे सेट पर पहुंच जाता हूं।

इस फिल्म में हॉरर और कॉमेडी दोनों है। प्रियदर्शन सर के साथ काम करना किसी यूनिवर्सिटी में मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा है। जहां हर एक्टर छात्र होता है।'

'छोटा पंडित' के बाद मेरा नया किरदार भी दर्शक पसंद करेंगे

'भूल भुलैया' के बाद से 'छोटा पंडित' के नाम से भी लोकप्रियता मिली। इस पर राजपाल का कहना है कि 'कोई दबाव महसूस नहीं होता। एक कलाकार के लिए हर किरदार 'रसगुल्ले' की तरह होता है, छोटा हो या बड़ा उसका स्वाद मीठा ही होता है।

'भूत बंगला' में भी मेरा किरदार बारीकी से गढ़ा गया है और प्रियदर्शन सर ने इसमें आम आदमी के ऐसे शेड्स दिए हैं, जिनसे दर्शक आसानी से जुड़ पाएंगे और पसंद भी करेंगे।'

'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर ही डर पैदा करता है

बकौल राजपाल, 'किसी भी फिल्म में लोकेशन सिर्फ एक जगह नहीं बल्कि एक किरदार होती है। जहां 'भूल भुलैया' की हवेली में राजपूताना ठाठ और रहस्य का माहौल था, वहीं 'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर और अंधेरा अपने आप में अलग तरह का डर पैदा करता है। प्रियदर्शन सर ने इसे ब्यूटीफुल हॉरर की तरह ट्रीट किया है, जिससे दर्शकों को लगेगा कि वे खुद उस बंगले के भीतर मौजूद हैं।'

अक्की पाजी के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा

अक्षय के साथ फिर से काम करने को लेकर राजपाल कहते हैं कि 'अक्की पाजी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह हर वक्त लाइव एक्टर जैसे रहते हैं। कैमरा ऑन हो या ऑफ, सेट पर उनका एनर्जी लेवल वही रहता है। शॉट के बीच भी दोनों कलाकार लगातार रिहर्सल करते रहते हैं और सीन में छोटे-छोटे इम्प्रोवाइजेशन जोड़ते हैं ताकि सीन और ज्यादा जीवंत बन सके। अक्षय के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा अनुभव होता है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।